संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 269
पृष्ठ 8
शुक्रवार
19 जून 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- आपके छोटे बेबी के लिए भी...

विचार- विश्व शांति एवं संतुलन के लिए...

खेल- श्रीलंकाई खिलाड़ियों से वैभव की...

कानपुर में योगी बोले

भारत ने अपनी ताकत पहचानी

कानपुर,संवाददाता। सीएम योगी गुरुवार को कानपुर में प्राकृतिक खेती कार्यशाला में शामिल हुए। यहां कृषि उत्पादों के अलग–अलग स्टॉल का मुआयना किया। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (CSA) में आयोजित कार्यक्रम में योगी ने कहा– लोगों ने खेती और पशुपालन से दूरी बनाकर शॉर्टकट का रास्ता अपनाया, जिसके दुष्परिणाम आज सामने आ रहे हैं। सरकार का संकल्प है कि गोवंश की तस्करी और उन्हें कटने नहीं देंगे। इसके लिए प्रदेश में 7700 से अधिक गोशालाओं में 14 लाख गोवंश संरक्षित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत किसानों को गोवंश पालन के लिए प्रति पशु 1500 रुपए हर महीने की सहायता दी जा रही है। गो आधारित खेती भारतीय संस्कृति, कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का माध्यम बन सकती है। योगी ने कहा– क्यों 2014 के पहले किसान आत्महत्या कर रहा था?

क्योंकि लागत ज्यादा थी और उत्पादन कम होता था। इससे किसान को कम पैसा मिलता था। प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहला काम किया कि लागत का मिनिमम डेढ़ गुना दाम अन्नदाता किसान को मिले। जिससे किसान का सारा खर्चा निकल सके। 2014 के बाद किसान आत्महत्या को मजबूर नहीं हुए। भारत ने अपनी ताकत पहचानी, तभी दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बना योगी ने कहा कि भारत के पास सामर्थ्य की कभी कमी नहीं थी, लेकिन उसे सही दिशा देने वाले नेतृत्व का अभाव था। उन्होंने कहा कि एक समय वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी 44 प्रतिशत थी, जो आजादी के समय घटकर केवल 2 प्रतिशत रह गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने किसानों, युवाओं, महिलाओं और व्यापारियों की शक्ति पर भरोसा किया, जिसके परिणामस्वरूप भारत आज दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होकर विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मोदी सरकार ने किसानों को लागत का डेढ़ गुना मूल्य देने की गारंटी दी योगी ने कहा कि 2014 से पहले किसान लागत से कम कीमत मिलने के कारण आर्थिक संकट झेल रहे थे और आत्महत्या जैसी घटनाएं सामने आती थीं। प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को उनकी फसल का न्यूनतम डेढ़ गुना मूल्य दिलाने की व्यवस्था की। साथ ही सॉइल हेल्थ कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि सिंचाई योजना, खरीद केंद्रों और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं के जरिए किसानों को सुरक्षा और आर्थिक मजबूती प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि इन कदमों से किसानों की स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। रासायनिक खेती से नुकसान, प्राकृतिक खेती ही भविष्य योगी ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर किसानों का खर्च लगातार बढ़ रहा है, जबकि इससे पैदा होने वाली उपज को अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कई बार स्वीकार नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि केमिकल आधारित खेती के दुष्प्रभाव स्वास्थ्य पर भी पड़ रहे हैं। इसी चुनौती से निपटने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने जहरमुक्त और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान किया है। योगी ने कहा कि प्राकृतिक खेती से लागत घटेगी, किसानों की आय बढ़ेगी और लोगों को बेहतर व सुरक्षित खाद्य उत्पाद मिल सकेंगे।

विरासत भी-विकास भी के 12 साल : मोदी बोले

भाजपा की सांस्कृतिक विरासत को मिला नया जोश

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को विरासत भी, विकास भी अभियान के 12 साल पूरे होने पर कहा कि इस नीति के तहत भारत की सांस्कृतिक विरासत को नए जोश के साथ संरक्षित और आगे बढ़ाया जा रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि प्राचीन वस्तुओं की वापसी और आध्यात्मिक व तीर्थयात्रा से जुड़े बुनियादी ढांचे को मजबूत करने जैसे कदमों से लोग देश की सदियों पुरानी परंपराओं से फिर से जुड़ रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को नए जोश के साथ संजोया, मनाया और आगे बढ़ाया जा रहा है। विरासत भी, विकास भी के विजन से प्रेरित होकर, प्राचीन वस्तुओं की वापसी से लेकर आध्यात्मिक और तीर्थयात्रा से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने तक के प्रयास लोगों को भारत की सदियों पुरानी परंपराओं से फिर से जोड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ–साथ, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने भी गुरुवार को विरासत भी, विकास

भी अभियान के 12 साल पूरे होने पर इसकी सराहना की। एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास के साथ–साथ विरासत के विजन ने भारत की आस्था, संस्कृति और इतिहास को एक नई पहचान दी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में, पिछले 12 वर्षों में भारत ने अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोते हुए विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। विकास भी, विरासत भी के विजन ने हमारी आस्था, संस्कृति और इतिहास को एक नई पहचान दी है। प्राचीन धरोहर स्थलों के संरक्षण, तीर्थ स्थलों के कायाकल्प और वैश्विक मंच पर भारतीय सभ्यता की गौरव–गाथा को बढ़ाने के लिए अभूतपूर्व प्रयास किए गए हैं। शर्मा ने इस अभियान के तहत कई पहलों का जिक्र किया, जैसे अयोध्या में श्री राम मंदिर का निर्माण, केदारनाथ धाम का पुनर्विकास और UNESCO विश्व धरोहर स्थलों को वैश्विक स्तर पर बढ़ती पहचान। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों ने भारत की सांस्कृतिक चेतना को मजबूत किया है। सीएम शर्मा ने कहा कि अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर के निर्माण से लेकर केदारनाथ धाम के पुनर्विकास, महाकुंभ के दिव्य और भव्य आयोजन और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों को वैश्विक स्तर पर बढ़ती पहचान तक, भारत की सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा और आत्मविश्वास मिला है।

दिल्ली: ईस्ट कैलाश में घरेलू कामगार की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली,एजेंसी। पुलिस ने बताया कि गुरुवार को ईस्ट कैलाश के एक घर में 45 साल की घरेलू सहायिका की हत्या कर दी गई। यह घटना अमर कॉलोनी पुलिस स्टेशन के इलाके में हुई। मृतक महिला की पहचान मीना (45) के तौर पर हुई है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, जब अधिकारी मौके पर पहुँचे तो आरोपी, जो 50 साल के आसपास का व्यक्ति है, शव के पास ही मौजूद मिला। शुरुआती जाँच से पता चला है कि महिला पर पहले क्रिकेट बैट से वार किया गया और फिर चाकू से हमला किया गया। पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल किए गए दोनों हथियार बरामद कर लिए हैं। शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने हमले की बात कबूल कर ली है और अभी उससे घटना के मकसद के बारे में पूछताछ की जा रही है। कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। मामले की आगे की जाँच चल रही है और और जानकारी का इंतजार है।एक अलग घटना में दिल्ली पुलिस ने नवजात बच्चों की गैर–कानूनी खरीद–फरोख्त में शामिल मानव तस्करी के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें गिरोह की कथित सरगना एक महिला भी शामिल है, जो खुद को डॉक्टर बताती थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, महिला एक नर्सिंग होम की मालकिन है और खुद को डॉक्टर बताती थी। हालांकि, पुलिस अभी उसकी शैक्षणिक और पेशेवर योग्यताओं की जांच कर रही है और अभी तक यह पुष्टि नहीं हुई है कि वह एक क्वालिफाइड मेडिकल प्रैक्टिशनर है या नहीं। इस ऑपरेशन के दौरान पांच नवजात बच्चों को बचाया गया है। इनमें से एक बच्चा चार महीने का है, दो बच्चे 27 दिन के हैं, एक 20 दिन का है और एक बच्चा सिर्फ पांच दिन का है।

खीर भवानी मेला: उमर अब्दुल्ला ने की पूजा, कश्मीरी पंडितों को बेहतर व्यवस्थाओं का भरोसा

जम्मू,एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को गांदरबल में खीर भवानी मंदिर का दौरा किया। उन्होंने वहां पूजा–अर्चना की और आने वाले खीर भवानी मेले की तैयारियों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री, जो गांदरबल निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि भी हैं, ने 22 जून को होने वाले मेले से पहले श्रद्धालुओं के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि 22 जून को खीर भवानी मेले का शुभ अवसर है। दुनिया भर से लोग यहां देवी के दर्शन करने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए आएंगे। यहां के विधायक होने के नाते, मैं यह देखने आया हूं कि व्यवस्थाएं कैसी हैं, क्या तैयारियां की जा रही हैं और क्या काम अभी बाकी है। मुख्यमंत्री ने मंदिर के पुजारियों और स्थानीय प्रशासन से बातचीत की ताकि व्यवस्थाओं में किसी भी कमी का पता लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि यहां पुजारियों से बातचीत के बाद मुझे पता चला है कि 2–3 चीजों की जरूरत है। हम 22 जून से पहले इन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे। साथ ही, उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार त्योहार के सुचारू आयोजन के लिए हर जरूरी मदद देगी। खीर भवानी मेला कश्मीरी पंडित समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण वार्षिक धार्मिक त्योहार है। यह गांदरबल जिले के तुल्ला मुल्ला गांव में स्थित खीर भवानी मंदिर में आयोजित किया जाता है।

अमित शाह का दावा

पीएम मोदी सरकार के 12 साल विकास-विरासत का स्वर्णिम संगम!

नयी दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार के 12 साल विकास और विरासत के संगम के रहे हैं। एक्स पर एक पोस्ट में शाह ने कहा कि मोदी सरकार के 12 साल विकास और विरासत के संगम का स्वर्णिम युग रहे हैं। इन 12 वर्षों में, एक ओर जहां श्री राम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और उज्जैन महाकाल लोक का निर्माण हुआ, वहीं दूसरी ओर पीएम आवास, आयुष्मान भारत, अन्न भंडार, विश्व स्तरीय कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर और 'मेक इन इंडिया' जैसी योजनाओं और पहलों ने देश की विकास यात्रा को अभूतपूर्व गति दी है।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब सरकार 'विकास भी, विरासत भी' की थीम के तहत पिछले 12 वर्षों में की गई विभिन्न पहलों को उजागर कर रही है। सरकारी बयान के अनुसार, विरासत संरक्षण को व्यापक विकास लक्ष्यों के साथ जोड़ते हुए भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, विकास और प्रचार–प्रसार पर ध्यान केंद्रित किया गया है। बयान में कहा गया है कि मुख्य पहलों में एक करोड़ रिकॉर्ड का डिजिटाइजेशन, 668 प्राचीन कलाकृतियों की वापसी, आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम के 11 म्यूजियम बनाना और 11 भारतीय भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देना शामिल है। इसमें बताया गया है कि पिछले कुछ वर्षों में मशहूर जगहों को फिर से ठीक करने, मंदिरों और स्मारकों को संरक्षित करने, आने वाले लोगों के लिए सुविधाओं को बेहतर बनाने और हेरिटेज शहरों व तीर्थयात्रा सर्किट को विकसित करने के कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। बयान में यह भी कहा गया है कि भारत की सांस्कृतिक संपत्तियां – जिनमें स्मारक, प्राचीन वस्तुएं, पांडुलिपियां और ऐतिहासिक स्थल शामिल हैं – पीढ़ियों से चली आ रही एक साझा विरासत का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसमें आगे कहा गया है कि 2014 से सरकार ने इन संपत्तियों को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए कई उपाय किए हैं, साथ ही विरासत के विकास को आर्थिक विकास, पर्यटन, आजीविका और सांस्कृतिक कूटनीति से जोड़ा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने विरासत के संरक्षण को राष्ट्रीय विकास से जोड़ने की कोशिश की है। इसमें चोरी हुई 668 से ज़्यादा प्राचीन वस्तुओं की वापसी, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और श्री राम जन्मभूमि मंदिर जैसे आध्यात्मिक इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, और भारतीय परंपराओं को वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयासों पर जोर दिया गया है।

इस्लामाबाद एमओयू पर जयराम रमेश का केंद्र पर हमला, बोले

मोदी सरकार की विदेश नीति को बड़ा झटका

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए 14–सूत्रीय 'इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन (एमओयू)' को लेकर केंद्र सरकार की विदेश नीति पर प्रहार करते हुए कहा है कि यह मोदी सरकार के लिये एक बड़ा झटका है। उन्होंने कहा कि इस समझौते को 'इस्लामाबाद एमओयू' कहा जाना पाकिस्तान की बढ़ती क्षेत्रीय और वैश्विक भूमिका को दर्शाता है और यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश नीति के लिए गंभीर झटका

है। श्री रमेश ने कहा कि वर्ष 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने पाकिस्तान को वैश्विक स्तर पर अलग–थलग कर दिया था, लेकिन अब पाकिस्तान पश्चिम एशिया की भू–राजनीतिक और सुरक्षा व्यवस्था में अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है, जिसके भारत के लिए गंभीर निहितार्थ हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि यह एमओयू अपने शब्दों और भावना के अनुरूप लागू होता है तो यह एक महत्वपूर्ण प्रगति होगी, हालांकि इसके 'मेमोरेंडम ऑफ मिसअंडरस्टैंडिंग' में बदलने की भी आशंका बनी हुई है। उनके अनुसार, अगले 60 दिन इस समझौते की सफलता के लिहाज से बेहद अहम होंगे। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि इस समझौते से ईरान को कई महत्वपूर्ण और अप्रत्याशित लाभ मिले हैं और उसने अपने प्रतिरोध एवं दृढ़ता का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों ने सावधानी के साथ इस समझौते का स्वागत किया है, लेकिन वे अपने रणनीतिक संबंधों की भी समीक्षा कर सकते हैं।

संजय राउत के अपशब्दों का जवाब देना सही नहीं : रिजिजू

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पार्टी में चल रहे संकट के बीच शिवसेना (यूबीटी) गुट के राज्यसभा सांसद संजय राउत की अपमानजनक टिप्पणियों पर कोई भी प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया देना उचित नहीं होगा। पत्रकारों से बात करते हुए रिजिजू ने कहा कि आप देख सकते हैं कि संसद में क्या होता है, मुझे अलग से कुछ कहने की जरूरत नहीं है। अगर हम संजय राउत की बातों का जवाब देते हैं, तो यह अच्छा नहीं लगेगा क्योंकि हर सांसद अपने चुनाव क्षेत्र के लिए अपने तरीके से सोचता और काम करता है। उन्होंने कहा कि हर पार्टी के काम करने का अपना तरीका होता है। मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा कि किस शिवसेना सांसद को क्या करना चाहिए। हम संसद में लाए गए बिलों पर सभी सांसदों का सहयोग चाहते हैं... लेकिन अगर संजय राउत किसी को गाली देते हैं या किसी पर आरोप लगाते हैं, तो उन्हें जवाब देना सही नहीं होगा। इससे पहले गुरुवार को रिजिजू ने हज 2026 के लिए एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और घोषणा की कि भारत को इस तीर्थयात्रा के प्रबंधन के लिए दो पुरस्कार मिले हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के 12 साल पूरे होने पर जश्न

दिल्ली में सीएम रेखा गुप्ता ने शुरू किए जन कल्याण शिविर

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के डब्ब कम्युनिटी हॉल में श्जन कल्याण शिविरश का उद्घाटन किया। यह उनके प्रशासन की ओर से लोगों तक पहुँचने की एक अहम पहल है। इस पहल की शुरुआत की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में 42 जगहों पर ये शिविर लगाए गए हैं। यह पहल दो खास उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए शुरू की गई हैरू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन के 12 साल और मौजूदा दिल्ली सरकार का एक साल पूरा

होना। मुख्यमंत्री गुप्ता ने पत्रकारों से कहा कि हमने प्रधानमंत्री मोदी के शासन के 12 साल और दिल्ली सरकार के एक साल पूरे होने के मौके पर दिल्ली में 42 जगहों पर ये जन कल्याण शिविर आयोजित किए हैं। यहाँ अलग–अलग विभागों ने शिविर लगाए हैं ताकि दिल्ली के लोगों को उन सभी योजनाओं का लाभ मिल सके, जिनके लिए वे पात्र हैं – चाहे वे राज्य सरकार की योजनाएँ हों या केंद्र सरकार की। जन कल्याण शिविर तीन दिन तक चलेंगे, जो 18 जून से 20 जून तक आयोजित होंगे। प्रशासन ने नागरिकों से कहा है कि वे जरूरी कागजात लेकर इन सेंटर्स पर आएं और सीधे मदद का लाभ उठाएं।

उन्होंने बताया ये तीन दिन के कैंप 18, 19 और 20 तारीख को लगेंगे। लोग अपने जरूरी कागजात लेकर यहां आ सकते हैं... ये कैंप लोगों तक पहुंचने और उन्हें सीधे मदद देने के लिए लगाए गए हैं। सरकार के विकास के एजेंडे पर जोर देते हुए, मुख्यमंत्री ने श्ट्रिपल इंजनश गवर्नेंस मॉडल की अहमियत बताई।

प्रयागराज में दौड़ेगी बुलेट ट्रेन, स्टेशन के लिए रखे गए चार विकल्प

प्रयागराज। एक तरफ प्रयागराज में मेट्रो ट्रेन चलाने की विस्तृत परियोजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है तो दूसरी ओर बुलेट ट्रेन चलाने की तैयारी शुरू हो गई है। प्रयागराज में बुलेट ट्रेन के लिए स्टेशन बनाने के चार विकल्प प्रस्तावित किए गए हैं। बुधवार को डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिल्ली–वाराणसी वाया प्रयागराज हाईस्पीड रेल के एलाइनमेंट निर्धारण को लेकर विचार–विमर्श किया। इसमें कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने दिल्ली–वाराणसी वाया प्रयागराज हाईस्पीड रेल परियोजना के संबंध में प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। इसमें शहर की भौगोलिक स्थिति, मेट्रो रेल, एयरपोर्ट कनेक्टिविटी की उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए हाईस्पीड रेल के जनपद प्रयागराज में हाईस्पीड रेल के स्टेशन व रूट के लिए चार विकल्प प्रस्तावित किए गए। रेलवे स्टेशन के लिए नीमी खुर्द, शांतिपुरम, प्रयाग स्टेशन और परेड ग्राउंड या एयरपोर्ट क्षेत्र में किसी एक स्थान को चुना जा सकता है। इनमें से हाईस्पीड रेलवे स्टेशन बनाने के लिए स्थान के चुनाव पर चर्चा की गई। स्थान का चुनाव बेहतर कनेक्टिविटी और महाकुंभ व माघ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को मिलने वाले लाभ के आधार पर करने की बात कही गई। बैठक में प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ऋषि राज, नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा, मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह और नेशनल हाईस्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

डीएम ने वरिष्ठ अधिकारियों व अन्य संबंधित अधिकारियों से कहा कि अद्यतन डेवलपमेंट प्लान, इनर रिंग रोड, आउटर रिंग रोड, सेतु निगम, एनएच, रेलवे और मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर की विस्तृत रिपोर्ट का अध्ययन, स्टेशन और रूट के लिए एलाइनमेंट की रूपरेखा अंतिम रूप से निर्धारित की जाए है। बैठक में प्रभागी वनाधिकारी अरविंद यादव, एडीएम सिटी सत्यम मिश्र, एडीएम वित्त व राजस्व विनीता सिंह, एडीएम नजूल संजय पांडेय, एडीएम प्रशासन उपमा पांडेय व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आउटसोर्सिंग कर्मचारी पर लगे एक लाख के हर्जाने पर रोक, जवाब तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नियुक्ति की प्रकृति छिपाकर याचिका दाखिल करने पर आऊटसोर्सिंग कर्मचारी पर लगे एक लाख रुपये हर्जाने पर रोक लगा दी है। सरकार से 14 जुलाई तक जवाब तलब किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ व न्यायमूर्ति विवेक सरन की खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के आउटसोर्सिंग कर्मी शिवराज सिंह की विशेष अपील पर दिया है। अपीलार्थी ने एकल पीठ के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उस पर एक लाख रुपये हर्जाना लगाते हुए याचिका खारिज कर दी गई थी। कोर्ट ने पाया था कि अपीलार्थी ने सेवा संबंधी याचिका में यह तथ्य छिपाया था कि उसकी नियुक्ति आउटसोर्सिंग के माध्यम से हुई थी।

एसआरएन अस्पताल का होगा सौंदर्यीकरण, पार्किंग की व्यवस्था होगी लागू

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल के सौंदर्यीकरण व पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज (एमएलएन) के प्राचार्य डॉ. एके वर्मा ने नगर निगम से सहयोग मांगा है। उन्होंने महापौर गणेश केसरवानी को पत्र लिखकर इस संबंध में सुझाव व सहयोग देने का आग्रह किया है। इस पर महापौर गणेश केसरवानी ने पूरे सहयोग का आश्वासन दिया है। कहा है कि नगर निगम की सीमा के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के सौंदर्यीकरण को लेकर जल्द ही बैठक करेंगे। इसके आधार पर आगे की कार्य योजना तैयार की जाएगी।

मेजा ऊर्जा निगम ने सीएचसी को दिए चिकित्सा उपकरण

प्रयागराज। मेजा ऊर्जा निगम प्राइवेट लिमिटेड ने अपने नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत सीएचसी मेजा को आवश्यक चिकित्सा उपकरण दिए हैं। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहयोग करना है। इस मौके पर शरद सिंह, डॉ. एके चौधरी, विवेक चन्द्र, डॉ. राकेश कुमार, आदि मौजूद रहे।

भीषण गर्मी में प्यासे ग्रामीण, कई स्थानों पर महीनों से वाटर कूलर बंद

प्रयागराज। भीषण गर्मी में लोग प्यासे हैं। कई जगह लगाए गए सार्वजनिक वाटर कूलर बंद है। ऐसे में लोगों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। फूलपुर नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों और वार्डों में लगाए गए वाटर कूलर इन दिनों बदहाली का शिकार हैं। बाजार, चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर लगे वाटर कूलर पानी नहीं दे रहा है। नगर पंचायत परिसर के निकट बस अड्डा, विजयलक्ष्मी पंडित इंटर कॉलेज के पास और गोमती इंटर कालेज के पास वार्ड नंबर 13 भैसहिया टोला समेत कई स्थानों पर वाटर कूलर से पानी नहीं आ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पंचायत ने लाखों रुपये खर्च कर वाटर कूलर तो स्थापित कर दिए, लेकिन उनके संचालन और रखरखाव की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई। नगर पंचायत फूलपुर के 15 वार्डों में 150 लीटर क्षमता वाले वाटर कूलर स्थापित किए गए हैं। प्रति वाटर कूलर भवन निर्माण पर 3 लाख रुपये खर्च हुए हैं। इनपर कुल व्यय 58. 50 लाख रुपये आया है। आरोप है कि इतनी बड़ी धनराशि खर्च होने के बावजूद कई स्थानों पर वाटर कूलर बंद पड़े हैं।

गर्मी में सबसे ज्यादा जरूरत पानी की होती है, लेकिन सार्वजनिक स्थानों पर लगे वाटर कूलर महीनों से बंद पड़े हैं। कई बार शिकायत की गई, मगर कोई सुनवाई नहीं हुई। – मन्नू सिंह, स्थानीय नागरिक।

जनता की सुविधा के लिए लगाए गए वाटर कूलर अगर बंद ही रहें तो लाखों रुपये खर्च करने का क्या मतलब है? नगर पंचायत को इस पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। – गोपाल कृष्ण द्विवेदी राजा बाबू वरिष्ठ नागरिक

बाजार आने वाले ग्रामीणों और बसों का इंतजार कर रहे यात्रियों को प्यास बुझाने के लिए निजी दुकानों से पानी खरीदना पड़ रहा है। कई लोग मजबूरी में हैंडपंपों और अन्य जल स्रोतों का सहारा ले रहे हैं। – अशोक कुमार मिश्रा, किसान।

नगर पंचायत द्वारा वाटर कूलर तो लगा दिया गया है, लेकिन वह जनता की जरूरतों पर खरा नहीं उतर पा रहा है। नतीजा, भीषण गर्मी में पेयजल के लिए लोगों को इधर–उधर भटकना पड़ता है की मजबूरी है। – लव कुश उर्फ कल्लू, यात्री

कुछ स्थानों को छोड़कर अधिकांश वाटर कूलर संचालित हैं। विजयलक्ष्मी पंडित इंटर कॉलेज के पास जल निगम की ओर से पाइपलाइन नहीं बिछाए जाने के कारण वाटर कूलर चालू नहीं हो सका है। पाइपलाइन बिछते ही वहां पेयजल सुविधा उपलब्ध करा दी जाएगी।– प्रवीण प्रकाश, अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत फूलपुर।

पीडीए की कार्रवाई पर राजनीति गरमाई, अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर कसा तंज तो प्राधिकरण ने दी सफाई

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की कार्रवाई चर्चा का विषय बन गई है। सिविल लाइंस इलाके में सील किए गए मकान में कथित तौर पर लड़की के अंदर होने की खबर सोशल मीडिया पर वायलर हो रही है। अखिलेश ने एक्स पर पोस्ट करके सवाल उठाया है तो पीडीए के उपाध्यक्ष ने आरोपों को निराधार बताया है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की कार्रवाई चर्चा का विषय बन गई है। सिविल लाइंस इलाके में सील किए गए मकान में कथित तौर पर लड़की के अंदर होने की खबर सोशल मीडिया पर वायलर हो रही है। सपा मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश याादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर वीडियो शेयर करके पीडीए की कार्रवाई पर तंज कसा तो मामले ने और तूल पकड़ लिया। हालांकि पीडीए ने अखिलेश के आरोपों को झूठ बताया है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रयागराज में एक घर को तब सील कर दिया गया जब उसके अंदर एक लड़की मौजूद थी। अखिलेश ने एक वीडियो शेयर करते हुए आरोप लगाया कि प्रयागराज डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीडीए) ने सिविल लाइंस इलाके में एक महिला का घर सील करके ष्अमानवीयष काम किया, जबकि उसकी बेटी घर के अंदर ही बंद रह गई थी।

मां दूसरे बच्चे को परीक्षा दिलाने गई थी बाहर

सपा मुखिया ने अखिलेश ने आगे लिखा ये है असंवेदनशील भाजपा सरकार के गैरजिम्मेदार और अमानवीय प्रयागराज विकास प्राधिकरण का हृदयहीन कारनामा। जिसमें प्रयागराज के सिविल लाइंस में पीडीए समाज की एक महिला का घर और उस घर के अंदर उसकी बेटी को भी सील कर दिया। ये सब उस समय हुआ जब महिला अपने दूसरे बच्चे को परीक्षा दिलवाने बाहर गई हुई थी। भाजपा नारी वंदना का यही है असली सच। दोषियों का निलंबन हो और सख़्त दंडात्मक कार्रवाई भी। घोर निंदनीय! कोई है? पीडीए के उपाध्यक्ष ऋषिराज ने बताया कि यह दावा गलत है। उन्होंने कहा कि जिस महिला का घर सील किया गया, उसके भाई का घर उससे सटा हुआ है और घर के पिछले हिस्से से अंदर जाने का रास्ता है, जिससे वह लड़की अंदर गई थी।

कार्रवाई के आश्वासन पर थमा आक्रोश, 26 घंटे बाद अंतिम संस्कार के लिए हुए राजी

प्रयागराज। नीबी कुकुरकटवा गांव में हुए तिहरे हत्याकांड के बाद परिजनों का आक्रोश इस कद्र भड़का कि पोस्टमार्टम के बाद दरवाजे पर रखे तीनों शवों के अंतिम संस्कार के लिए वे 26 घंटे बाद राजी हुए।

नीबी कुकुरकटवा गांव में हुए तिहरे हत्याकांड के बाद परिजनों का आक्रोश इस कद्र भड़का कि पोस्टमार्टम के बाद दरवाजे पर रखे तीनों शवों के अंतिम संस्कार के लिए वे 26 घंटे बाद राजी हुए। परिवार के लोग आरोपियों के एनकाउंटर और उनके घरों को बुलडोजर चलाने की मांग पर अड़े थे।

बुधवार रात आठ बजे एसडीएम नीलम उपाध्याय और एसीपी संत प्रसाद उपाध्याय ने घर तक सड़क, सुरक्षा, पट्टे की भूमि उपलब्ध कराने और आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाए जाने का आश्वासन दिया। इसके बाद वे माने। इस बीच बारा के पूर्व विधायक उदयभान करवरिया ने भी परिजनों को ढांढ़स बंधाया।

नीबी कुकुरकटवा गांव के श्यामलाल गुप्ता (65), अमरावती देवी (55) और इंद्रावती देवी (60) की सोमवार रात नृशंस हत्या कर दी गई थी। आरोप है कि घर की एक किशोरी से गांव का हिमांशु यादव जबरन शादी करना चाहता था। शादी में रोड़ा बनने पर आरोपी ने साथियों के साथ मिलकर तीनों की पीट–पीटकर हत्या कर दी थी।

इस प्रकरण में मुख्य आरोपी सहित पांच लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। भागने की फिराक में आरोपी हिमांशु यादव ने पुलिस की पिस्टल छीनने की कोशिश की तो पुलिस ने मुठभेड़ में घायल कर दिया। एक गोली उसके पैर में लगी है। मृतका अमरावती के बेटे सुरेंद्र और इंद्रावती के बेटे मुकेश ने साफ–साफ कहा कि जब तक आरोपियों का एनकाउंटर और उनके घरों पर बुलडोजर नहीं चलाया जाएगा, तब तक शवों का अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा।

मौके पर मेजा, कौंधियारा और करछना के एसीपी और कई थाना प्रभारी मौजूद रहे। बुधवार शाम रात आठ बजे एसडीएम और एसीपी के कार्रवाई का आश्वासन देन पर आक्रोशित परिजन अंतिम संस्कार करने के लिए राजी हुए। हालांकि, रात 12 बजे समाचार लिखे जाने तक अंतिम संस्कार नहीं हुआ था। कुछ रिश्तेदारों का इंतजार किया जा रहा था। एसडीएम ने कहा कि आरोपी हिमांशु यादव का घर नवीन परती में बना है। जल्द ही जमींदोज कराया जाएगा।

मृतकों के परिजनों को घर तक सड़क, सुरक्षा के लिए शस्त्र लाइसेंस, पट्टे की भूमि सहित हर संभव मदद का आश्वासन दिया गया है। परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हो गए हैं। घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। – नीलम उपाध्याय, एसडीएम, मेजा।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को जीआरपी थाने से मिली क्लीन चिट, आशुतोष ने लगाया था हमले का आरोप

प्रयागराज। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) प्रयागराज ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को क्लीन चिट दे दी है। आशुतोष ब्रह्मचारी ने शंकराचार्य पर बदमाश भेजकर हमले का आरोप लगाया था।

राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) प्रयागराज ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को क्लीन चिट दे दी है। आशुतोष ब्रह्मचारी ने शंकराचार्य पर बदमाश भेजकर हमले का आरोप लगाया था। कहा था कि वह रीवा एक्सप्रेस से गाजियाबाद से प्रयागराज आ रहे थे। सिराथू रेलवे स्टेशन के पास कुछ लोगों ने उनके ऊपर हमला बोल दिया। वह लोग नाक काटने का प्रयास करने लगे। हमले में उनको चोटे आई हैं। तहरीर के आधार पर जीआरपी थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच व विवेचना के दौरान मामला फर्जी पाया गया जिसमें शंकराचार्य को क्लीन चिट दे दी गई है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए कोर्ट में अर्जी देने वाले आशुतोष महाराज ब्रह्मचारी पर रीवा एक्सप्रेस ट्रेन में आठ मार्च 2026 को तड़के करीब पांच बजे धारदार हथियार से हमला किया गया था। एसी कोच में प्रयागराज जा रहे महाराज ने कहा कि धारदार हथियार से किए गए इस हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने ट्रेन के टॉयलेट में खुद को बंद कर किसी तरह अपनी जान बचाई। घटना रविवार सुबह कौशाम्बी जिले के सिराथू रेलवे स्टेशन के पास हुई थी।

आशुतोष ब्रह्मचारी ने प्रयागराज जीआरपी को दी अपनी अर्जी में बताया था कि सात मार्च की रात गाजियाबाद रेलवे स्टेशन से रीवा एक्सप्रेस में सवार होकर प्रयागराज जा रहे थे। दूसरे दिन सुबह करीब पांच बजे ट्रेन जब सिराथू रेलवे स्टेशन कर पास पहुंची तो एसी बोगी के कोच एच–वन में सवार आशुतोष ब्रह्मचारी पर कुछ अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में वह लहूलुहान हो गए और अपनी जान बचाने के लिए ट्रेन के टॉयलेट में छिप गए।

रसायन विज्ञान प्रवक्ता पद के साक्षात्कार में महिला अभ्यर्थी गिरफ्तार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के प्रवक्ता संवर्ग के साक्षात्कार के दौरान देवरिया निवासी एक महिला अभ्यर्थी को जाली प्रवेश पत्र के साथ गिरफ्तार किया गया है। महिला अभ्यर्थी ने आयोग में उपस्थित होकर यह दावा किया था कि वह प्रवक्ता संवर्ग के रसायन विज्ञान की लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के प्रवक्ता संवर्ग के साक्षात्कार के दौरान देवरिया निवासी एक महिला अभ्यर्थी को जाली प्रवेश पत्र के साथ गिरफ्तार किया गया है। महिला अभ्यर्थी ने आयोग में उपस्थित होकर यह दावा किया था कि वह प्रवक्ता संवर्ग के रसायन विज्ञान की लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण है। किसी कारण उसका साक्षात्कार पत्र डाउनलोड नहीं पा रहा है। इस पर आयोग ने अभिलेखों की जांच और अभ्यर्थी के दावों की पड़ताल की। जांच में पता चला कि महिला अभ्यर्थी लिखित परीक्षा में ही उत्तीर्ण नहीं थी। उसने प्रवक्ता रसायन विज्ञान की लिखित परीक्षा में सफल किसी अन्य अभ्यर्थी के अनुक्रमांक को अपने प्रवेश पत्र में अंकित कर साक्षात्कार के लिए अनुचित दावा पेश किया था।

आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुमार ने बताया कि महिला ने आयोग की गोपनीयता, पारदर्शिता और शुचिता को खंडित करने का प्रयास किया है। इस कृत्य के विरुद्ध, संबंधित धाराओं में अभ्यर्थी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। साथ ही उसे तत्काल स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया है। यदि कोई भी व्यक्ति इस प्रकार के अवांछनीय कार्यों में संलिप्त पाया जाता है तो आयोग उसके विरुद्ध विधिक कार्यवाही करेगा। उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग में बुधवार को प्रवक्ता (पीजीटी) रसायन विज्ञान का साक्षात्कार चल रहा था। सुबह करीब 9रू15 बजे देवरिया के उमानगर निवासी वीनस श्रीवास्तव अनुक्रमांक 0302001128 अंकित प्रवेश पत्र के साथ प्रस्तुत हुई। उसने लिखित परीक्षा में खुद को सफल बताते हुए साक्षात्कार पत्र जारी नहीं होने की शिकायत की। आयोग ने प्रवेश पत्र पर लगे बार कोड को स्कैन किया। इसमें अभ्यर्थी का रजिस्ट्रेशन नंबर यूपी 00230030463451 अंकित दर्ज मिला। जबकि मूल रजिस्ट्रेशन नंबर यूपी 00230030463454 था। वहीं अनुक्रमांक 0302001128 की सफल अभ्यर्थी श्रुति शर्मा साक्षात्कार के लिए आयोग में उपस्थित थीं। उनके पास साक्षात्कार पत्र भी था। उनके प्रवेश पत्र में अनुक्रमांक 0302001128 के साथ रजिस्ट्रेशन नंबर यूपी 00230030463451 अंकित है। ऐसे में वीनस के खिलाफ आयोग के उप सचिव डॉ. नंदलाल चौरसिया ने कर्नलगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस वीनस को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है।

छिवकी में खुलेगा देश का पहला लोको रेस्टोरेंट, स्टेशन पर लाया गया पुराना इलेक्ट्रिक लोको

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) ने प्रयागराज के छिवकी रेलवे स्टेशन पर देश का पहला लोको रेस्टोरेंट खोलने की तैयारी पूरी कर ली है। कभी पटरियों पर दौड़ने वाला एक पुराना इलेक्ट्रिक रेल इंजन कबाड़ होने के बजाय एक आलीशान रेस्टोरेंट के रूप में चमचमाता नजर आएगा। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) ने प्रयागराज के छिवकी रेलवे स्टेशन पर देश का पहला लोको रेस्टोरेंट खोलने की तैयारी पूरी कर ली है। कभी पटरियों पर दौड़ने वाला एक पुराना इलेक्ट्रिक रेल इंजन कबाड़ होने के बजाय एक आलीशान रेस्टोरेंट के रूप में चमचमाता नजर आएगा। पायलट प्रोजेक्ट के लिए प्रयागराज रेल मंडल ने झांसी की एक कंपनी के साथ अनुबंध किया है। इसके तहत स्टेशन के मुख्य एंट्री गेट के पास इस पुराने लोकोमोटिव को रिसाइकल करके मॉडर्न लुक दिया जा रहा है। यह रेस्टोरेंट पूरी तरह वातानुकूलित (एसी) होगा। इसमें रेल थीम वाले डेकोरेशन के साथ शानदार एहसास मिलेगा। इसमें 46 लोगों के बैठने की क्षमता होगी, जबकि इसके बाहर भी बैठने की शानदार व्यवस्था की जा रही है। मेन्यू में उत्तर भारतीय थाली और प्रयागराज के लोकल स्वाद से लेकर फास्ट फूड और ग्लोबल डिशेज तक शामिल होंगी। डाइन–इन के साथ–साथ लोग घर बैठे ऑनलाइन ऑर्डर करके भी इसकी डिलीवरी ले सकेंगे। रेलवे का यह अनूठा आइडिया न सिर्फ पर्यावरण को बचाने और पुराने इंजन को नया जीवन देने का है, बल्कि इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और रेलवे की इनकम भी होगी। डीआरएम रजनीश अग्रवाल और सीनियर डीसीएम हरिमोहन की अगुवाई में इस प्रोजेक्ट को जमीन पर उतारा गया है। लोको इंजन को रेस्टोरेंट का लुक देने वाली फर्म के संचालक पर्वत सिंह ने बताया कि तीन महीने में पुराने इलेक्ट्रिक इंजन को पूरी तरह से रेस्टोरेंट का लुक दे दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि प्रयागराज में सफल होने के बाद इस मॉडल को देश के अन्य स्टेशनों पर भी लागू किया जाएगा।

मां के शव से लिपटे रहे बेटे, चीत्कारों से टूटा सन्नाटा

प्रयागराज। नीबी कुकुरकटवा गांव में तिहरे हत्याकांड के दूसरे दिन बुधवार को अजीब सा सन्नाटा पसरा रहा। पुलिस वाहनों के सायरन और परिजनों की चीत्कारों से सन्नाटा टूटता रहा।

नीबी कुकुरकटवा गांव में तिहरे हत्याकांड के दूसरे दिन बुधवार को अजीब सा सन्नाटा पसरा रहा। पुलिस वाहनों के सायरन और परिजनों की चीत्कारों से सन्नाटा टूटता रहा। पूरा गांव छावनी में तब्दील रहा। इंद्रावती और अमरावती के बेटे बंगलूरू से घर पहुंचे तो दरवाजे पर परिवार के तीन लोगों के शव देखकर बिलख पड़े। काफी देर तक मां के शव से लिपटे रहे। हत्याकांड में जान गंवाने वाली इंद्रावती का बेटा मुकेश बंगलूरू और अमरावती का बेटा सुरेंद्र बंगलूरू में पानी–पूरी बेचते हैं। मां की मौत की सूचना पर वह फ्लाइट से घर पहुंचे। इनके परिवार ट्रेन से आ रहे हैं। वे सभी रास्ते में हैं। मुकेश और सुरेंद्र ने बताया कि वे रोज शाम को मां से फोन पर बात करते थे। मां ने कभी ऐसी आशंका नहीं जताई कि इतना बड़ा कांड हो सकता है। वे हमेशा पूछती थीं कि बेटा खाना खाया कि नहीं।

शायद से घबराती होंगी कि परदेश में रह रहे बेटों को यहां की हकीकत न बताई जाए। हम घर आने ही वाले थे। उससे पहले ही भगवान ने अनर्थ कर दिया। मुकेश ने बताया कि पिता का साया पहले ही सिर से हट चुका है। अब मां भी चल बसीं। मुकेश और सुरेंद्र काफी देर तक मां के शव से लिपटे रहे।

किशोरी को नहीं लाया गया गांव

बड़े पापा और दो बड़ी मां की हत्या के बाद भी भतीजी को गांव नहीं लाया गया। मां ने उसे ननिहाल में ही रखा है। घटना के दूसरे दिन बुधवार को राजापुर, मांडा निवासी किशोरी के मामा श्याम बाबू गुप्ता ने बताया कि चार माह से आरोपी हिमांशु यादव के डर से किशोरी उनके घर पर है। आरोपी वहां पहुंचकर घर के अलग–बगल वीडियो बनाता था। ऐसे लोगों के खिलाफ एनकाउंटर जैसी ही कार्रवाई होनी चाहिए। किशोरी की मां सरस्वती देवी हत्याकांड के बाद से बदहवास हैं।

पुलिस–प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी

भामाशाह भारतीय जन पार्टी के पदाधिकारियों ने तिहरे हत्याकांड के आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाए जाने की मांग की है। शिकायत के बावजूद कार्रवाई न होने पर पुलिस–प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। सुरक्षा के लिहाज से कई सर्किल के एसीपी और यमुनानगर के थाना प्रभारियों के साथ पुलिस बल सुबह से शाम तक मौजूद रहा।

भरण–पोषण के मुकदमे से नाराज दो बेटों ने की थी पिता की हत्या, दूसरा भी गिरफ्तार

प्रयागराज। पुलिस ने कर्नलगंज के लल्ला चुंगी चौराहे पर बुजुर्ग रामदुलारे कोरी की हत्या के मामले का खुलासा किया है। बताया कि भरण–पोषण के मुकदमे और न्यायालय से वारंट जारी होने से नाराज दो बेटों अखिलेश (22) और वीरेंद्र (30) ने मिलकर अपने ही पिता की हत्या कर दी थी। पुलिस ने कर्नलगंज के लल्ला चुंगी चौराहे पर बुजुर्ग रामदुलारे कोरी की हत्या के मामले का खुलासा किया है। बताया कि भरण–पोषण के मुकदमे और न्यायालय से वारंट जारी होने से नाराज दो बेटों अखिलेश (22) और वीरेंद्र (30) ने मिलकर अपने ही पिता की हत्या कर दी थी। एसओजी नगर और कर्नलगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने दूसरे बेटे वीरेंद्र को भी गिरफ्तार कर लिया है। जबकि अखिलेश उर्फ शिवा को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थी। 13 जून को लल्ला चुंगी चौराहे पर बाइक सवार दो युवकों ने रामदुलारे को गोली मार दी थी। इससे उनकी मौत हो गई थी। मामले में मृतक के पुत्र जितेंद्र कुमार की तहरीर पर छोटे बेटे अखिलेश उर्फ शिवा उर्फ शिब्बू और एक अज्ञात के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों की जांच पड़ताल की। इसमें घटना के समय अखिलेश के साथ बाइक पर उसके बड़े भाई वीरेंद्र कुमार के मौजूदगी के साक्ष्य मिले। दोनों की तलाश में पुलिस की टीम को लगाया गया था। बुधवार मुखबिर की सूचना पर दोनों आरोपियों को अयोध्या हॉस्टल मार्ग स्थित मजार के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त प्वाइंट 315 बोर का तमंचा, एक कारतूस और घटना में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद की है। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर एफआईआर में आयुध अधिनियम सहित अन्य धाराएं भी बढ़ा दी गई हैं। पुलिस जांच में पता चला कि रामदुलारे ने अपने बेटों के खिलाफ पारिवारिक न्यायालय में भरण–पोषण का वाद दाखिल किया था। आरोप है कि बेटे भरण–पोषण के लिए रुपये नहीं दे रहे थे। इस पर न्यायालय ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। इस बात से नाराज होकर अखिलेश और वीरेंद्र ने मिलकर हत्या की साजिश रची। 13 जून की सुबह लल्ला चुंगी चौराहे पर पिता को गोली मार दी। पुलिस की एक टीम मृतक के परिजनों की भूमिका जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी वारदात के बाद बाइक से तेलियरगंज की ओर भाग गए। इसके बाद वहां से कौशाम्बी रवाना हो गए। यहां पर एक परिचित के घर रुके।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एफआईआर हो

लखनऊ में संजय सिंह बोले– श्रीराम जन्मभूमि थाना में तहरीर भेजी, ट्रस्ट की कार्य प्रणाली की जांच हो

लखनऊ (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने राम मंदिर में चढ़ावे और दान से जुड़े चोरी के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि मामले में सामने आए तथ्यों, बरामदगी और सबूतों के बावजूद अब तक जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई है।

उन्होंने इस मामले में अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि थाना में औपचारिक तहरीर भेजकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

संजय सिंह ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े कई मामलों में पहले भी अनियमितताओं के आरोप सामने आ चुके हैं। वर्ष 2021 में भी उन्होंने जमीन खरीद से जुड़े कथित घोटालों को प्रमाणों के साथ उजागर किया था, लेकिन उस समय कोई कार्रवाई नहीं हुई। यदि उस समय आरोपियों पर कार्रवाई की जाती तो आज ऐसी स्थिति नहीं बनती।

उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर से जुड़े चढ़ावे, दानपात्र और बहुमूल्य वस्तुओं के मामलों में लगातार सवाल उठ रहे हैं। कुछ जमीन खरीद सौदों में भी आर्थिक अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं। इन सभी मामलों को अपनी शिकायत में

शामिल करते हुए उन्होंने निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

संजय सिंह ने दावा किया कि मामले में कुछ लोगों से नकदी बरामद होने और कई कर्मचारियों के संदेह के दायरे में आने की जानकारी सामने आई है। जब इस मुद्दे को विपक्ष ने उठाया तो राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप शुरू हो गए, जबकि मुख्य सवाल भ्रष्टाचार और चोरी के आरोपों की जांच का है।

संजय सिंह ने कहा कि मामले में सामने आए सभी तथ्यों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। ट्रस्ट की कार्यप्रणाली की भी जांच होनी चाए।

संजय सिंह ने पार्टी के आगामी राजनीतिक कार्यक्रम की भी घोषणा की। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी की पदयात्रा का 6वां चरण 16 से 23 अगस्त के बीच पूर्वांचल में आयोजित किया जाएगा। यह यात्रा आजमगढ़ से जौनपुर तक करीब 110 किलोमीटर की होगी और सात से आठ दिनों में पूरी की जाएगी।

उन्होंने कहा कि पदयात्रा के दौरान बेरोजगारी, पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं, सामाजिक न्याय, आरक्षण और भेदभाव जैसे मुद्दों को जनता के बीच उठाया जाएगा। पार्टी इन मुद्दों पर जनसमर्थन जुटाकर व्यापक जन आंदोलन खड़ा करने का प्रयास करेगी।

संजमल्लिमे फूल

खिलते हैं जो शाम को, चार बजे के बाद।
खुशबू की ख़ामोशियाँ, करती हैं अति नाद।
करती हैं अति नाद, नाम रख संध्यामाली।
मलयालम में जिसे, कहें है अन्तिमलारी।
कन्नड़ कहें प्रदीप,उसी को संजमल्लिमे।
अलग–अलग धर नाम, सभी मुल्को में खिलते।।

दुनिया कहती है जिसे,लगते बहुत ललाम।
शाहेल्ली, गुलअब्बास, कृष्णकली धर नाम।
कृष्णकली धर नाम,अबासी भी हैं कहते।
संध्या के ही समय, हमेशा हँसकर खिलते।
सुन लो कहें प्रदीप, हमेशा बनकर सुखिया।
बाँट रहे मुस्कान, कह रही सारी दुनिया।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

दिल्ली इकाई की काव्यगोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न

दिल्ली। शहर समता विचार मंच दिल्ली इकाई जून माह की काव्य गोष्ठी का संयोजन अफरोज अजीज ने किया। कार्यक्रम अध्यक्ष उमा मिश्रा की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि प्रेरणा तलवार थी। काव्य गोष्ठी

का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना अर्चना झा अन्नू के द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन अर्चना झा ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सखियों ने सुंदर प्रस्तुति दी। मनोरमा श्रीवास्तव, सरिता कपूर, स्नेहलता पाण्डेय, आरती झा आद्या, चंचल हरेंद्र वशिष्ट, प्रेरणा तलवार, उमा मिश्रा, अफरोज अजीज एवं अर्चना झा 'अन्नू' की सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति ने आयोजन में चार चाँद लगा दिये। धन्यवाद ज्ञापन सरिता कपूर जी ने किया।

सब्जी विक्रेता को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, छत से गिरा ई-रिक्शा चालक

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के बीकेटी थाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन ने सब्जी विक्रेता को टक्कर मार दी। जिसे गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वह मंडी से काम खत्म करके घर लौट रहा था। तभी हादसे का शिकार हो गया। वहीं, पारा इलाके में छत से गिरकर एक ई–रिक्शा चालक की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। रैथा बीकेटी निवासी राम आधार (65) जानकीपुरम बाजार में सब्जी की दुकान करते थे। बुधवार रात दुकान बंद करके घर की तरफ जा रहे थे। बस पुरवा के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी साइकिल में पीछे से टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गए। तभी पीछे आ रहे हैं अन्य साथियों ने उनके घर व पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने साथियों की मदद से अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। राम आधार के परिवार में पत्नी रामरति व चार बेटे और तीन बेटियां हैं। बुद्धेश्वर पारा निवासी सुमित गुप्ता ई–रिक्शा चलाते थे। भाई अमित गुप्ता ने बताया बुधवार रात छत पर बैठे हुए थे। तभी लाइट चली गई कुछ देखने के लिए छत के कोने पर आए। इस दौरान पैर स्लिप हो गया और दो मंजिल से नीचे गिर गए। उनकी चीख सुनकर परिवार के सदस्य पहुंचे तो वह लहूलुहान हालत में पड़े हुए थे। आनन–फानन में उन्हें रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। भाई अमित ने बताया– उनके परिवार में पत्नी पलक और 20 दिन का बच्चा है। मामले में पुलिस का कहना है शव का पोस्टमॉर्टम कराकर सौंप दिया है, रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ओपी राजभर की पोस्ट ने सपा में मचाई खलबली, लिखा– टूट होकर रहेगी, बागी बलिया का लाल करेगा नेतृत्व

लखनऊ। यूपी में समाजवादी पार्टी क्या टूटने जा रही है? बीते कुछ समय से भाजपा और उसके सहयोगी दलों के नेता लगातार सपा में टूट की बात कह रहे हैं। इसी बीच सुभासपा अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में मंत्री ओपी राजभर ने एक्स पर पोस्ट करके सरगर्मी और बढ़ा दी है। उन्होंने लिखा कि, श्कल से सब पूछ रहे हो कि सपा में क्या टूट होने वाली है? तो सुनो! सपा के बागी सांसदों के गुट का नेतृत्व उत्तर प्रदेश की श्बागी भूमिश का एक लाल करेगा। और करे भी क्यों न? इतना ही नहीं उन्होंने आगे लिखा कि, श्कल जिस तरह से सपा कार्यालय में सम्मेलन के नाम पर ब्राह्मणों को तिरस्कृत किया गया, उससे श्बागी बलियाश का लाल बहुत आहत है। योजना पहले से थी, लेकिन कल की घटना ने आग में घी डालने का काम कर दिया। उन्होंने दावा किया कि टूट होकर रहेगी। अपनी पोस्ट में मंत्री ने आगे लिखा कि, श्मेरी एक प्रतिक्रिया पर जिस तरह से पूरा सैफई खानदान मुझे गाली देने और सफाई देने में जुट गया है, उससे ज्यादा बेहतर है कि अखिलेश बाबू ट्विटर और पीसी वाली नेतागिरी छोड़कर अब सांसद बचाओ अभियान शुरू कर दें। दुखी एवं निराश सांसदों के घर जाकर उनसे माफी मांगें।

होम्योपैथिक फार्मासिस्ट अभ्यर्थीयों का अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के सामने प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। करीब 200 से ज्यादा होम्योपैथिक फार्मासिस्ट अभ्यर्थी आज, गुरुवार को उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) मुख्यालय पहुंचे हुए हैं। वे भर्ती संख्या 09/2024 का अंतिम परिणाम जारी करने की मांग कर रहे हैं। यहां आयोग मुख्यालय के सामने जमीन पर बैठकर सुबह से शांतिपूर्ण धरना दे रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि 397 पदों के लिए मुख्य परीक्षा 2 फरवरी 2025 को आयोजित की जा चुकी है। इसके बाद सितंबर 2025 में 2410 अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन भी पूरा करा लिया गया था। इसके बावजूद करीब 9 महीने बीत जाने के बाद भी अंतिम परिणाम जारी नहीं किया गया है। हरदोई से आए अभ्यर्थी राहुल मिश्रा ने कहा पिछले 9 महीने से 9 बार लखनऊ आ चुके हैं। आज तक होम्योपैथिक फार्मासिस्ट भर्ती का फाइनल रिजल्ट जारी नहीं किया। हर बार यही कह दिया जाता है कि 15 दिन में रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा। पूरे उत्तर प्रदेश से करीब 200 अभ्यर्थी यहां आए हुए हैं। रात से भूखे भी हैं। रिजल्ट तैयार हो चुका है लेकिन जारी नहीं किया जा रहा है। जब तक रिजल्ट के लिए 100ः आश्वासन नहीं मिल जाता, तब तक हम यहां से नहीं जाएंगे। जौनपुर से आए राजेश प्रचेता ने कहा हम इसलिए प्रदर्शन में आए हैं कि डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के बाद भी रिजल्ट जारी नहीं किया जा रहा है। हमको यहां एसी में बैठे अधिकारी बोल देते हैं कि अगले 15 दिन में रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा। लेकिन, बार–बार आने के बावजूद रिजल्ट जारी नहीं किया जा रहा है। हम लोगों की क्या भावनाएं है, इसकी इन्हें परवाह नहीं है। प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि आयोग की ओर से 9 महीने लगातार परिणाम जारी करने का आश्वासन दिया जा रहा है, लेकिन अब तक भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। इससे हजारों उम्मीदवारों का भविष्य अधर में लटका हुआ है। उनका कहना है कि लंबे इंतजार के कारण वे मानसिक और आर्थिक दबाव का सामना कर रहे हैं। पिकअप भवन पहुंचे अभ्यर्थियों ने 'हमारी मेहनत, हमारा अधिकार', 'परिणाम दो, न्याय दो' और 'हक लेकर रहेंगे' जैसे नारों के साथ अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाया। अभ्यर्थियों ने कहा कि उनका आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण है और वे केवल भर्ती प्रक्रिया को समय से पूरा कर अंतिम परिणाम घोषित किए जाने की मांग कर रहे हैं।

ओम का रूप ब्रह्म का रूप है: डॉ. उमर अली शाह

पिठापुरम। स्थानीय पिल्लंका ग्राम में सुब्रह्मण्येश्वर स्वामी मंदिर के प्राण–प्रतिष्ठा अनुष्ठान में शामिल हुए श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि ओम का रूप ब्रह्म का रूप है और ब्रह्म का रूप रस का रूप है, जिसे अहम ब्रह्मास्मि के रूप में अनुभव किया जा सकता है। बुधवार को डॉ. उमर अली शाह ने काकीनाडा जिले के ताल्लारेवु मंडल के पिल्लंका ग्राम में सुब्रह्मण्येश्वर स्वामी मंदिर के प्राण–प्रतिष्ठा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लिया और भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर लोग अपनी रोज़मर्रे की दिनचर्या की शुरुआत भगवान को स्मरण करते हुए करें, तो उन्हें भगवान की असीम कृपा प्राप्तत होगी। इस मौके पर

मंदिर समिति के सदस्यों और गांववालों ने पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह का पूर्णकुंभ से स्वागत किया। बाद में, डॉ. उमर अली शाह ने मंदिर और यज्ञशाला का दौरा किया। इस मौके पर मुख्य पुजारी को मंदिर का महत्व समझाया। बाद में, मंदिर में आयोजित एक सभा में पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने लोगों से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक तीनों साधनाओं, यानी मंत्र, ज्ञान और ध्यान के सिद्धांतों की साधना करने और शरीर का आनंद, मन की संतुष्टि और आत्मा की मुक्ति पाकर मानव जीवन का अर्थ पाने का आह्वान किया। डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि लोगों को पिल्लंका में बने श्री वल्ली देवसेना समेथा सुब्रह्मण्येश्वर स्वामी के शक्ति केंद्र में जाना चाहिए और भगवान का आशीर्वाद लेना चाहिए। इस कार्यक्रम में मंदिर समिति के सदस्य और न्यासी श्री वेलुरी कामेश्वर सरमा,दाटला बाबी राजू,सागी भीमेश्वर राजू, सागी शिवराम राजू, सागी भीमेश्वर राव तथा सागी ज्योति कुमारी और अन्य गणमान्यों ने भाग लिया।

दुगांवा में संविदकर्मियो की मेहरबानी से मीटर बाईपास व स्लो करा कर चला रहे एसी

लखनऊ (संवाददाता)। भीषण गर्मी में बिजली की बढ़ती मांग और ओवरलोडिंग के चलते ट्रांसफार्मरों का दम निकल रहा है। बिजली के केबल हीट होकर शार्ट हो रहे है। बिजली विभाग के कर्मचारी रात–दिन एक करके आपूर्ति बहाल करने में लगे है। वही बिजली चोरी की घटनाये लगातार बढ़ रही है। नाका थाना के अर्न्तगत हरीनगर व दुगांवा जो अमीनाबाद तथा डीएवी कालेज उपखण्ड के अर्न्तगत आता है, में संविदकर्मियों की मिलीभगत से जमकर बिजनी की चोरी हो रही है। गलियों वाले इस क्षेत्र में अभी भी बहुम से घरों में मीटर घरों के अन्दर ही लगे है। दो किलोवाट के कनेक्शन पर घरों में दो–दो एसी के साथ अन्य उपकरण चल रहे है और बिल मात्र पांच सौ से छः सौ का ही आता है। बिजली विभाग के कर्मचारी ही मीटर स्लो करने का तरीका बताते है। मीटर बाईपास से बिजली की चोरी आम बात है। ओवरलोड्डिग के चलते राजेन्द्र नगर मोड़ पर ट्रासफार्मर के अण्डरग्राउंड केबल मंगलवार की रात में फुंक गये थे जिसके चलते पूरी रात गर्मी में हजारों घर अंधेरे में डूब गये। पूरी रात कर्मचारी फाल्ट ठीक करते रहे तब जाकर बुधवार सुबह आपूर्ति बहाल हो सकी। बिजली चोरी रोकने के दावे विभाग भले ही करता हो पर उसके अपने ही संविदाकर्मी बिजली चोरी करवाने के तरीके बताते है और कुछ पैसों के बदले विभाग को लाखों का चूना प्रति माह लगा रहे है।

जनता तो जनता डिप्टी सीएम केशव मौर्य भी परेशान, घर में भरा नाले का गंदा पानी, शिकायत के बाद भी निदान नहीं

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बारिश से पहले ही नाला चोक होने के कारण पिछले पांच दिन में दो बार उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के सरकारी आवास के अंदर गंदा पानी भर चुका है। शिकायत के बाद भी समस्या का पूरी तरह निदान न होने से वह नाराज हैं। इस बाबत उनके कार्यालय ने पत्र लिखकर कड़ी नाराजगी जताई है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद का आवास सात कालिदास मार्ग है। पिछले एक सप्ताह में यहां कई बार नाले का पानी घर के अंदर लॉन में भर चुका है। 12 जून को जब पानी भरा था तो नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और पानी निकालकर चली आई थी। टीम ने ये भी कहा था कि अगले दिन आकर वह समस्या का स्थायी निदान करेंगे। मंगलवार को फिर लॉन में गंदा पानी भर गया। इससे उपमुख्यमंत्री बहुत नाराज हुए। उनके निजी सचिव ने नगर आयुक्त को पत्र भेजकर कहा है कि उपमुख्यमंत्री के आवास के अंदर सीवर–नाले का पानी आ रहा है। इस बारे में निगम के जनसंपर्क अधिकारी को अवगत कराया गया था। आवास पर निरीक्षण के लिए जेई प्रतिमा यादव एवं किशोरी लाल पहुंचे थे। दोनों ने आश्वासन दिया कि अगले दिन समस्या का समाधान करा दिया जाएगा, लेकिन समाधान हुआ नहीं। गंदा पानी फिर आवास के अंदर जमा हो गया है। ऐसे में समस्या दूर कराने में लापरवाही करने वाले संबंधित अधिकारी के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए। जानकारों ने बताया इन अधिशासी अभियंता अतुल मिश्रा अवकाश पर हैं और सहायक अभियंता अवधेश सिंह ड्यूटी पर हैं। उनको वहां पर जाना चाहिए था मगर वह मौके पर नहीं गए। यदि वह जाते तो समस्या दूर हो जाती। जानकारों ने यह भी बताया कि हर साल बारिश में आवास में पानी भरता है, मगर अब तक स्थायी हल नहीं किया गया। प्रभारी नगर आयुक्त अभिनव रंजन श्रीवास्तव ने बताया कि समस्या की जानकारी मिलने पर टीम गई थी। पानी को निकलवाकर आई।

एलडीए की जनता अदालत में कई तरह की शिकायतें पहुंचीं

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) में गुरुवार को जनता अदालत में कई तरह की शिकायतें पहुंचीं। किसी ने एलडीए के अधिकारियों तो किसी ने अपने सगे–संबंधियों पर गंभीर आरोप लगाए। गोमतीनगर विस्तार से पहुंचीं एक महिला

ने आरोप लगाया कि एलडीए के अधिकारी बार–बार शिकायत के बावजूद उनके मोहल्ले से अतिक्रमण नहीं हटवा पा रहे हैं। एक व्यक्ति ने अपनी बहन पर आरोप लगाया कि फर्जी दस्तावेज के जरिये उसने (बहन ने) उनकी जमीन बेच दी है। जानकीपुरम से पहुंचे एक व्यक्ति ने कहा एलडीए ने अपनी योजना में उनकी जमीन लेकर उसके एवज में मिला चबूतरा दूसरे के नाम कर दिया। वहीं, एक नेत्रहीन फरियादी ने कहा मैं 24 साल तक प्लॉट की किस्त जमा करता रहा, वहां पर अब स्कूल बन गया। मेहरबान (सितारा बेगम) ने कहा 2001 में शारदानगर योजना रजनीखंड लखनऊ में ईडब्लयूएस में मुझे प्लॉट आवंटित हुआ था। उसकी किस्त 2024 तक देता रहा। इसे पूरा करने के बाद रजिस्ट्री कराई। यहां (एलडीए) के अधिकारी बोल रहे हैं कि इस रजिस्ट्री में कब्जा दे दिया गया है, जबकि मुझे कब्जा नहीं मिला और वहां स्कूल बन गया है। कुल 330 वर्गफीट जमीन है। उसमें अब 3 मकान भी बन चुके हैं। 3 लोगों ने कब्जा कर लिया है। अभी मेरे रहने के लिए दूसरी जगह है लेकिन खरीदे प्लॉट पर स्कूल चल रहा है। मैंने 3.50 लाख रुपए में रजिस्ट्री कराई थी। मैं पुलिस के पास गया, यहां वीसी साहब से मिला लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हो रही है। एलडीए की जनता अदालत में पहुंचे अमीनाबाद निवासी जसविंदर सिंह ने कहा माता–पिता के निधन के बाद उनकी बड़ी बहन रमनिक कौर ने 2015 में ट्रांसपोर्टनगर स्थित प्लॉट संख्या एस–165 को उनकी और दूसरी बहन अमृत कौर की सहमति के बिना एक पंजीकृत असाइनमेंट डीड के माध्यम से हस्तांतरित कर दिया। उस समय दोनों भाई–बहन नाबालिग थे और संबंधित संपत्ति एलडीए की लीजहोल्ड संपत्ति थी। उसके बावजूद जमीन बेची गई। जसविंदर सिंह ने आरोप लगाया कि इस कथित षड्यंत्र में कई रिश्तेदारों और अन्य लोगों की भी भूमिका रही है। उन्होंने सभी आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दंडात्मक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। मामला न्यायालय और संबंधित विभागों के समक्ष उठाया गया है। गोमतीनगर विस्तार वैष्णवखंड की जनकल्याण समिति की अध्यक्ष नीलिमा जोशी भी शिकायत लेकर पहुंचीं। उन्होंने बताया कि गोमतीनगर विस्तार में भवन संख्या–213, 214, 138, 139, 140, 141, 142 के सामने अवैध कब्जाधारकों ने दुकानें बना ली हैं। ठेले लगाए जा रहे हैं। अतिक्रमण पर प्रधानमंत्री की फोटो लगा रखी है। ये लोग चोरी भी करते हैं। यहां से एलडीए वाले जाते हैं तो कभी बता देते हैं कि कोर्ट का केस लगा है तो कभी कुछ है। मैं 10 साल यहां दौड़ रही हूं। आज की जनता अदालत में कहा है कि एक्सईएन को भेजकर देखते हैं। इनके देखते–देखते इतना समय बीत गया। रमेश कुमार उर्फ गुड्डू रावत ने बताया सिकंदरपुर, सेक्टर–ए सीतापुर रोड योजना में मेरी जमीन गई थी। उसके एवज में जीवनयापन के लिए एक चबूतरा एलडीए की ओर से आवंटित किया गया। वह चबूतरा अब मेरी जगह पर बाराबंकी के किसी आदमी के नाम पर अलॉट कर दिया गया है। उसका नाम कटवाने के लिए कई बार सचिव साहब से मिला। 4 बार जनता अदालत में आ चुका। लॉटरी के बाद अप्लीकेशन देता रहा हूं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इसके लिए मुझे कोर्ट की शरण लेनी पड़ेगी। एलडीए के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर गुरुवार को गोमतीनगर स्थित विपिन खंड के प्राधिकरण भवन में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्राधिकरण दिवसध्जनता अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान आम नागरिकों की शिकायतें सुनी गईं।

गोमती नदी के 2 पुल बने 'सुसाइड प्वाइंट'

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में गोमतीनगर क्षेत्र में गोमती नदी पर बने दो प्रमुख पुल लगातार आत्महत्या और आत्महत्या के प्रयास की घटनाओं के कारण चिंता का विषय बन गए हैं। हालात ये हैं कि इन पुलों से नदी में कूदने की घटनाएं बार–बार सामने आ रही हैं। अब पुलिस ने इन घटनाओं पर रोक लगाने के लिए लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) से दोनों पुलों पर एंटी–सुसाइड सेफ्टी फेंस, सीसीटीवी कैमरे और चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की है। गोमतीनगर पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर एलडीए को भेजे गए पत्र में बताया गया है कि सामाजिक परिवर्तन प्रतीक स्थल से 1090 चौराहा को जोड़ने वाला पुल और समता मूलक चौराहा से 1090 चौराहा को जोड़ने वाला पुल आत्महत्या के प्रयासों के लिए संवेदनशील स्थान बनते जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि यहां पर्याप्त ऊंचाई की सुरक्षा जाली, निगरानी व्यवस्था और चेतावनी संकेतकों का अभाव है।

सम्पादकीय.....

ट्रंप को क्या दिक्कत थी?

अमेरिका ने एक बार फिर अपने सबसे महत्वपूर्ण सामरिक सैन्य कमान का नाम बदल दिया है। आठ वर्ष पहले डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी पैसिफिक कमांड का नाम बदलकर इंडो–पैसिफिक कमांड किया था। तब यह कदम चीन के उभार के खिलाफ भारत को अमेरिकी रणनीति के केंद्र में लाने की घोषणा के रूप में देखा गया था। अब उसी कमान से ष्इंडोष शब्द हटाकर उसे फिर से पैसिफिक कमांड बना देना वैश्विक कूटनीति में नए संकेत पैदा कर रहा है। यह बदलाव ऐसे समय हुआ है जब भारत–अमेरिका संबंधों में व्यापार, रूस, पाकिस्तान और पश्चिम एशिया को लेकर तनाव दिखाई दे रहा है। अमेरिकी रक्षा विभाग का कहना है कि केवल नाम बदला है, मिशन नहीं। उसका दावा है कि कमान का कार्यक्षेत्र अब भी भारत की पश्चिमी सीमा तक फैला रहेगा और क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ ष्मुक्त और खुला क्षेत्रष बनाए रखने की प्रतिबद्धता में कोई कमी नहीं आएगी। लेकिन सामरिक दुनिया में नाम केवल नाम नहीं होते। वे प्राथमिकताओं, शक्ति संतुलन और भविष्य की दिशा के संकेत भी देते हैं। यही कारण है कि इस बदलाव ने नई बहस छेड़ दी है। दरअसल, वर्ष 2018 में जब तत्कालीन अमेरिकी रक्षा मंत्री जेम्स मैटिस ने इंडो–पैसिफिक अवधारणा को आगे बढ़ाया था, तब उसका सीधा संदेश यह था कि हिंद महासागर और प्रशांत महासागर अब एक साझा रणनीतिक क्षेत्र हैं। चीन की बढ़ती समुद्री ताकत, दक्षिण चीन सागर में उसका आक्रामक रवैया, बेल्ट एंड रोड परियोजना के जरिये एशिया–अफ्रीका तक उसका विस्तार और हिंद महासागर में उसकी बढ़ती मौजूदगी ने अमेरिका को नई सामरिक रचना बनाने पर मजबूर किया था। इसी सोच से क्वॉड समूह को भी नई ऊर्जा मिली, जिसमें भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। अब जब इंडो शब्द हटाया गया है, तो सवाल उठ रहा है कि क्या अमेरिका अपनी प्राथमिकताएं बदल रहा है? क्या ट्रंप प्रशासन चीन के साथ सीधे टकराव के बजाय समझौते का रास्ता तलाश रहा है? क्या अमेरिका अब एशिया में अपने दायित्व कम करना चाहता है? क्या भारत अब अमेरिकी रणनीति का केंद्रीय स्तंभ नहीं रहा? यही वह प्रश्न हैं जिन पर दुनिया भर के सामरिक विशेषज्ञ चर्चा कर रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम का समय भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ट्रंप की मुलाकात से ठीक पहले सामने आया। कभी दोनों नेताओं की दोस्ती विशाल जनसभाओं और गर्मजोशी भरे आलिंगन की प्रतीक मानी जाती थी, लेकिन इस बार माहौल अलग था। व्यापारिक शुल्कों को लेकर विवाद, रूस से भारत की ऊर्जा खरीद पर अमेरिकी नाराजगी, भारतीय पेशेवरों के लिए वीजा संबंधी दिक्कतें, पाकिस्तान के साथ अमेरिका की नई नजदीकियां और पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों से भारतीय नाविकों की मौत जैसे मुद्दों ने भारत और अमेरिका के रिश्तों में खटास पैदा की है। विशेष रूप से पाकिस्तान को अमेरिकी समर्थन को लेकर भारत की चिंता बढ़ी है। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर के बाद ट्रंप ने कई बार दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया। भारत ने इस दावे को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट कहा कि युद्धविराम दोनों सेनाओं के बीच सीधे संवाद से हुआ था, किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से नहीं। इसके बावजूद अमेरिका का यह रुख नई दिल्ली के लिए असहजता का कारण बना हुआ है। हालांकि अमेरिकी प्रशासन के समर्थक यह तर्क दे रहे हैं कि इंडो पैसिफिक कमांड संबंधी बदलाव को जरूरत से ज्यादा नहीं देखना चाहिए। उनका कहना है कि अमेरिका अभी भी चीन के खिलाफ अपनी सैन्य तैयारी बढ़ा रहा है। अमेरिकी कमांडर सैमुअल पपारो ने चीन के विरुद्ध सैन्य प्रतिरोध मजबूत करने के लिए विशाल रक्षा बजट की मांग की है। अमेरिका और भारत के बीच रक्षा तकनीक, खुफिया साझेदारी और संयुक्त सैन्य अभ्यास भी लगातार जारी हैं। इसलिए केवल नाम बदलने से रणनीति बदल गई है, ऐसा निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। फिर भी यह तर्क पूरी तरह आश्वस्त नहीं करता। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में प्रतीकों की अपनी शक्ति होती है। जब अमेरिका ने ष्इंडोष शब्द जोड़ा था, तब उसने दुनिया को यह संदेश दिया था कि भारत अब एशियाई शक्ति संतुलन का अनिवार्य हिस्सा है। अब उसी शब्द को हटाना स्वाभाविक रूप से यह आभास देता है कि अमेरिका की सोच में बदलाव आया है। यही कारण है कि कई भारतीय रणनीतिक विशेषज्ञ इसे भारत के लिए चेतावनी के रूप में देख रहे हैं। हालांकि इस पूरे विवाद के बीच एक बड़ी सच्चाई यह भी है कि दुनिया की कोई भी महाशक्ति केवल नाम बदलकर भूगोल और वास्तविकता को नहीं बदल सकती। कागजों पर सीमाएं और नाम बदले जा सकते हैं, लेकिन समुद्रों, सभ्यताओं और इतिहास की वास्तविक शक्ति को मिटाना संभव नहीं होता।

विश्व शांति एवं संतुलन के लिए आत्ममंथन हो जी-7 बैठक में

ललित गर्ग

फ्रांस में आयोजित जी–7 शिखर सम्मेलन पर इस समय पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, व्यापार, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा सुरक्षा और युद्ध जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए दुनिया की सात प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं का यह मंच एकत्रित हुआ है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या जी–7 आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रभावशाली है, जितना उसकी स्थापना के समय था? क्या यह संगठन वास्तव में वैश्विक समस्याओं के समाधान का मंच बन पाया है अथवा यह कुछ शक्तिशाली देशों के हितों की रक्षा का माध्यम बनकर रह गया है? क्या इस मंच की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने स्वार्थों के चलते धुंधलाने में लगे हैं? विश्व में शांति स्थापना, संतुलित आर्थिक विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बने विभिन्न वैश्विक संगठनों की सफलता का मूल्यांकन उनके परिणामों से होता है, न कि उनके घोषणापत्रों से। दुर्भाग्य से जी–7 के संदर्भ में यह प्रश्न बार–बार उठता रहा है कि उसके निर्णयों और घोषणाओं का वास्तविक प्रभाव कितना है। पिछले वर्षों में रूस–यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का संकट, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन की चुनौती और बढ़ती व्यापारिक प्रतिस्पर्धा जैसी समस्याओं के समाधान में यह संगठन अपेक्षित भूमिका निभाने में सफल नहीं दिखा है। जी–7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान शामिल हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से इसकी दिशा और नीति निर्धारण पर अमेरिका का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देता है। विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति ने सहयोग के बजाय दबाव और वर्चस्व की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों के साथ भी कई बार ऐसा व्यवहार किया है, मानो वे साझेदार नहीं बल्कि अमेरिकी नीतियों का अनुसरण करने वाले अनुयायी हों। टैरिफ युद्ध, व्यापारिक प्रतिबंध, रक्षा व्यय को लेकर दबाव और अनेक एकतरफा निर्णयों ने सदस्य देशों के बीच अविश्वास बढ़ाया है। विशेषतः ईरान– इजरायल युद्ध ने समूची दुनिया की अर्थव्यवस्था का धराशायी कर दिया और यह अब अमेरिका के कारण ही हुआ है क्योंकि पिछले कुछ महीनों में हिंसक संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को एक व्यापक युद्ध की आशंका से भर दिया था। ईरान, इजरायल और इस क्षेत्र के अनेक गैर–राज्यीय समूह आमने–सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। इस संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र होर्मुज जलमार्ग बन गया था, जहां से विश्व के लगभग पांचवें हिस्से का तेल गुजरता है। जी–7 समूह के देश भी इसको लेकर बंटे हुए थे। यही कारण है कि जी–7 के भीतर आज पहले जैसी एकजुटता दिखाई नहीं देती। फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और जापान जैसे देश कई मुद्दों पर अमेरिका से अलग दृष्टिकोण रखते हैं। ईरान युद्ध ही नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रश्न पर, वैश्विक व्यापार के नियमों पर और बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका को लेकर भी मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे में यह अपेक्षा करना कठिन है कि यह संगठन विश्व की जटिल समस्याओं के समाधान के लिए कोई सर्वमान्य और प्रभावी रणनीति प्रस्तुत कर पाएगा। इस सम्मेलन में भारत की उपस्थिति विशेष महत्व रखती है। भारत भले ही जी–7 का सदस्य न हो, लेकिन उसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिष्ठा और विकासशील देशों के प्रतिनिधि स्वरूप ने उसे इस मंच का एक महत्वपूर्ण सहभागी बना दिया है। यह अवसर केवल भारत की उपलब्धियों को प्रस्तुत करने का नहीं, बल्कि उन विकासशील और निर्धन देशों की आकांक्षाओं को मुखर करने का भी है, जिनकी आवाज अक्सर वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में दब जाती है। आज अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक देश आर्थिक संकट, खाद्य असुरक्षा, जलवायु आपदाओं और ऋण के बोझ से जूझ रहे हैं। उनकी प्राथमिकताएं जी–7 देशों की प्राथमिकताओं से भिन्न हैं। इसलिए भारत को यह प्रश्न उठाना चाहिए कि क्या विश्व की दिशा तय करने का अधिकार केवल कुछ विकसित देशों तक सीमित रहना चाहिए? क्या वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रतिनिधिक नहीं बनाया जाना चाहिए? यह समय विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देने और वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की चिंताओं को केंद्र में लाने का है। जी–7 की प्रासंगिकता पर सबसे बड़ा प्रश्न उसकी प्रभावशीलता को लेकर है। यदि कोई संगठन विश्व की प्रमुख समस्याओं को रोकने या सुलझाने में सक्षम नहीं है, तो उसकी उपयोगिता स्वतः प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। रूस–यूक्रेन युद्ध वर्षों से जारी है। पश्चिम एशिया लगातार अशांत बना हुआ है। आतंकवाद और कट्टरता की चुनौतियां बनी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया अभूतपूर्व संकटों का सामना कर रही है। इसके बावजूद वैश्विक नेतृत्व देने का दावा करने वाले मंचों की उपलब्धियां सीमित दिखाई देती हैं। हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने तथा शांति और सहमति की दिशा में बढ़ने की खबरों ने पूरी दुनिया को राहत दी है। लंबे समय से चल रहे तनाव के कारण पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ रही थी और इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा था। जैसे ही दोनों देशों के बीच समझौते और संवाद की संभावनाएं मजबूत हुईं, दुनिया भर के वित्तीय बाजारों में सकारात्मक संकेत दिखाई दिए। निवेशकों का विश्वास बढ़ा, ऊर्जा बाजार में स्थिरता के संकेत मिले और तेल की कीमतों में नरमी आई। इससे स्पष्ट है कि शांति केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं होती, बल्कि उसका सीधा संबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता और आम नागरिक के जीवन से भी होता है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है। यदि संवाद और समझौता ही अंततः समाधान का मार्ग था, तो फिर टकराव और तनाव की स्थिति को इतना लंबा क्यों खींचा गया? आखिर राष्ट्रपति ट्रंप को समझौते और सहमति के लिए राजी होने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई? क्या इसके पीछे आर्थिक दबाव थे? क्या वैश्विक बाजारों की चिंता थी? क्या अमेरिकी जनता की अपेक्षाएं थीं? या फिर यह स्वीकारोक्ति थी कि युद्ध और दबाव की राजनीति की भी सीमाएं होती हैं? ये ऐसे प्रश्न हैं जिन पर जी–7 जैसे मंचों में गंभीर चर्चा होनी चाहिए। विश्व समुदाय केवल औपचारिक शांति समझौतों से संतुष्ट नहीं हो सकता। आवश्यकता इस बात की है कि शांति स्थायी, विश्वसनीय और न्यायपूर्ण हो। यदि समझौते केवल राजनीतिक छवि निर्माण, चुनावी लाभ या अस्थायी रणनीतिक उद्देश्यों के लिए किए जाते हैं, तो वे लंबे समय तक टिक नहीं पाते।

किफायत तो छोड़िए नाटक भी नहीं चलेगा

अरविन्द मोहन

बंगाल समेत चार राज्यों के चुनाव बीत जाने के बाद एक दिन जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खाड़ी युद्ध से पैदा आर्थिक हालात का जिक्र करते हुए लोगों को चेताया और कुछ कड़े कदम उठाने का संकेत दिया तब तक युद्ध ढलान पर आ गया था और सुलह की बात काफी आगे बढ़ गई थी। सौभाग्य से कई उतार–चढ़ाव देखने के बाद सुलह हो भी गई है। सरकार को भी तेल और गैस की कीमतें की किस्तों में बढ़ानी पड़ीं लेकिन उतनी नहीं जितने की आशंका हो गई थी। उसकी एक वजह तो यह थी कि लंबे समय से सरकार ने तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों की गिरावट पर अपने यहां कीमत कम करने की जगह कर बढ़ाकर लोगों से श्देश के विकासश में सहयोग की अच्छी खासी वसूली कर ली थी। और उसका एक हिस्सा गंवा कर चुनाव जीतना अच्छा सौदा था। हमारी लोकल कीमतों में इतना मार्जिन रहा कि सरकार उसे बर्दाश्त करके अपने चुनावी भविष्य को बिगड़ने से रोक ले। राष्ट्र के नाम देर से जारी अपने इस संबोधन में प्रधानमंत्री ने किफायत बरतने की सलाह भी दी और खुद के काफिले में सिर्फ चार गाड़ियां रहने दी। अब प्रधानमंत्री ऐसी पहले करें और देश स्तर पर यह प्रयास चले न चले कम से कम भाजपाई मंत्रियों और नेताओं को तो अपना स्कोर बढ़ाना था। दनादन किसी के साइकिल से दफ्तर जाने, किसी के बैलगाड़ी से जाने तो किसी के अपना काफिला कम करने की खबरें आने लगी। खबर क्या आई, वीडियो आए। मई महीने में, जिसके एक हफ्ते का समय तो चुनाव नतीजों की घोषणा वगैरह में बीत चुका था, पूरे इकत्तीस दिन भी नहीं बीते और पेट्रोल की खपत में 6.5 फीसदी की कमी का आंकड़ा सामने आ गया। एलपीजी की खपत में छह फीसदी और डीजल की खपत में 3.6 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। और अगर तीन हफ्ते की दिखावटी किफायत का यह असर रहा तो यही कामना करनी चाहिए की यह नौटंकी जारी रहे। दुखद यह है कि महीना नहीं बीता कि प्रधानमंत्री समेत सभी इस अभियान को भूल से गए हैं। कायदे से होना यह चाहिए थी कि इस पोजिटिव खबर के बाद इस अभियान को ज्यादा व्यवस्थित किया जाता और जोर–शोर से चलाया जाता– अगर स्वच्छता मिशन जैसा नहीं भी तो श्मैं भी चौकीदारश और श्मेक इन इंडियाश टाइप ही सही। कहना न होगा कि ऊर्जा की बचत का मसला हमारे लिए कितना बड़ा और जरूरी है, यह इस बार के खाड़ी संकट ने दिखा दिया। ऐसा हर बार खाड़ी में विवाद के समय होता था लेकिन इस बार तो हम युद्ध में किसी भी पक्ष की तरफ झुके भी न थे और ऊर्जा संकट की मार हर किसी को भोगनी पड़ी। इस संकट में एक रास्ता वह है जो प्रधानमंत्री जी ने दिखाया और कायदे से उनको अब भी इसे जोर–शोर से चलाना चाहिए। हमारे यहां गैस की खपत में कमी की गुंजाइश तो नहीं है क्योंकि गैस को शौकिया या दिखावे के लिए खर्च करने का अनुभव हमें नहीं है। लेकिन पेट्रोल और डीजल की खपत में तो काफी बड़ा हिस्सा दिखावा और नकली प्रतिष्ठा के लिए होता है। जाहिर तौर पर इस काम में सरकार के सबसे बड़े लोग सबसे आगे होते हैं और प्रधानमंत्री ने अपने काफिले में कटौती करके यह जता दिया कि उनको मर्ज की सही जानकारी है। मुल्क का नेता होने के चलते उनकी यह जवाबदेही भी है कि वे इस अभियान को आगे बढ़ाएं, अपने मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, अधिकारियों, पार्टी पदाधिकारियों में किफायत की आदत विकसित कराएं और जो कोई फिजूलखर्ची करता मिलता है उसे दंडित करें। तेल की खपत कम करने के लिए निजी वाहनों की जगह सार्वजनिक परिवहन पर जोर दें और उस व्यवस्था की मौजूदा उपेक्षा का दौर खत्म करें। देश में जो शानदार रेल और सड़कों का जाल बिछा है उसका इस्तेमाल सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुचारु करने के लिए करें। यह लोगों को सुविधा और रोजगार देने के साथ देश की बाहरी तेल पर निर्भरता को कम करेगा। इतना ही जरूरी ऊर्जा के साधनों का देसी विकास भी है। अभी बहुत दिन नहीं हुए जब देश अपनी जरूरत का लगभग चालीस फीसदी तेल अपने यहां से निकाल लेता था। आज यह दस फीसदी के नीचे चला गया है। जब तेल निकालने में देसी निजी कंपनियों को उतारा गया तो उनसे महंगे करार हुए लेकिन अब उन महंगे करारों से भी उनको मुक्ति देकर लूट को बढ़ावा दिया गया है। गैस का हमारा भंडार आज भी उपयोग में लाने की जगह यूं ही जलाया जाता है। और जिस तरह सरकार को तेल निर्यात का धंधा कमाई का रास्ता दिख रहा है वही हाल हमारी सरकारी और निजी तेल कंपनियों और रिफायनरियों का है। यह सर्वविदित है कि हमारी रिफायनिंग की क्षमता उत्पादन से कई गुना ज्यादा है। हम तेल मंगाते हैं, साफ करते हैं और उसका निर्यात कर मुनाफा कमाते हैं। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियां तेल मंगाती हैं और अपने ही देश वालों को बेचकर मोटा मुनाफा वसूलती हैं और जब आप इस पूरे खेल को गौर से देखेंगे तभी समझ आएगा कि सरकार पेट्रोलियम पदार्थों को जीएसटी के दायरे में क्यों नहीं लाना चाहती। अगर वह और राज्य सरकारें कर से मोटा कमाई करती हैं तो उसकी तेल कंपनियां और रिफायनरीज भी कमाई में होड़ लगाए हुई है। सिर्फ यह खेल खत्म हो जाए तो लोगों के लाखों करोड़ रुपये बचेंगे। लेकिन इससे बड़ा गुनाह तेल की जगह वैकल्पिक ऊर्जा का खयाल न करने से हो रहा है। इधर सोलर और बिजली आधारित वाहनों का जोर दिखाता है लेकिन वह कु छेक कंपनियों और अमेरिका–चीन को खुश रखने के लिए हो रहा है या सचमुच का विकल्प देने के लिए यह निर्णय कठिन है। लेकिन अचानक कोयला और थर्मल पावर का उपयोग थाम देने रहस्य समझना मुश्किल है। एक घोषित कारण तो कार्बन उत्सर्जन संधि पर दस्तखत करना और कार्बन क्रेडिट बेचने का खेल समझ आता है।

जिस देश के पास अगले चार–पांच सौ साल तक की जरूरत लायक कोयला हो वह उसका उपयोग इन कारणों से कम कर दे यह समझ नहीं आता। कोयले से गैस बनाकर उसका इस्तेमाल करने वाला उपकरण भी विकसित हुआ था लेकिन वह कहां गायब हो गया इसे कोई नहीं पूछता। जब उसकी जगह आने वाले तेल में लाखों करोड़ का खुला खेल हो, सोलर पैनल और इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद में बड़े खेल हों तो कोयले का कालिख मनमोहन सरकार ही अपने मुंह पर लगा सकती थी, मोदी सरकार नहीं। इसलिए यह उम्मीद भी छोड़ ही दीजिए कि किफायत का मौजूदा अभियान आगे बढ़ेगा–भले ही उसके लाभ पहले ही महीने में इतने साफ दिखे हैं।

भारत में रसोई गैस की कीमतों पर नियंत्रण जरूरी

नंतू बनर्जी

घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में बार–बार बढ़ोतरी चिंतनीय है। सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की कुछ तेल कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए घरेलू रसोई गैस की कीमतें बढ़ाने का रास्ता चुना है, जबकि इसका सीधा बोझ देश के लगभग 33.7 करोड़ सक्रिय घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है। यह तब है जब वित्त वर्ष 2025–26 में सरकारी तेल कंपनियों ने संयुक्त रूप से 77,280.65 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 130 प्रतिशत अधिक है। अकेले इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने 36,802 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड लाभ दर्ज किया। 7 जून से 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 29 रुपये की बढ़ोतरी की गई। यह तीन महीनों के भीतर दूसरी बढ़ोतरी है। इस वर्ष अब तक कुल बढ़ोतरी 89 रुपये प्रति सिलेंडर हो चुकी है। दूसरी ओर, पिछले वर्ष पेट्रोलियम क्षेत्र से करों और शुल्कों के रूप में सरकार को लगभग चार लाख करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इसके बावजूद उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ डाला जा रहा है। दुनिया के कई तेल उत्पादक देश, जैसे सऊदी अरब, ईरान, वेनेजुएला, लीबिया और मलेशिया, अपने नागरिकों को वैश्विक मूल्य वृद्धि के प्रभाव से बचाने के लिए पेट्रोल, डीजल और गैस पर भारी सब्सिडी देते हैं। ये देश मूल्य नियंत्रण या प्रत्यक्ष सरकारी सहायता के माध्यम से ऊर्जा की कीमतों को अपेक्षाकृत कम बनाए रखते हैं और अक्सर तेल राजस्व का उपयोग वैश्विक मूल्य वृद्धि के झटके को सहने के लिए करते हैं। ईरान में ईंधन की कीमत दुनिया में सबसे कम मानी जाती है और वहां सरकार अरबों डॉलर की सब्सिडी देती है। वेनेजुएला भी आर्थिक और बुनियादी ढांचे की चुनौतियों के बावजूद अत्यंत कम कीमतों पर ईंधन उपलब्ध कराता है। सऊदी अरब घरेलू ऊर्जा लागत को स्थिर और किफायती बनाए रखने के लिए हर वर्ष 12 अरब डॉलर से अधिक की सब्सिडी देता है। लीबिया में पेट्रोल, डीजल और गैस पर दुनिया की सबसे अधिक सब्सिडी दी जाती है, जिससे कभी–कभी सीमा पार तस्करी जैसी समस्याएं भी पैदा होती हैं। मलेशिया अपने व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले आरओएन 95 ईंधन पर भारी सब्सिडी देता है, हालांकि हाल के वर्षों में वित्तीय दबाव कम करने के लिए प्रति नागरिक सब्सिडी वाली मात्रा पर सीमा निर्धारित की गई है। इसके विपरीत, दुनिया में सबसे अधिक गरीब आबादी वाले देशों में शामिल भारत में प्रत्यक्ष ईंधन और गैस सब्सिडी का दायरा सीमित है। सरकार की बहुचर्चित उज्ज्वला योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को प्रति सिलेंडर 300 रुपये की सब्सिडी दी जाती है, लेकिन यह सुविधा अब साल में केवल चार सिलेंडरों तक सीमित कर दी गई है। इसके लिए वार्षिक बजट आवंटन लगभग 12,000 करोड़ रुपये है। हालांकि, इस मद में सरकार का वास्तविक व्यय कितना है, यह बहुत कम लोगों को पता है। योजना का लाभ केवल उन परिवारों को मिलता है जो गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) या सरकार द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों के अंतर्गत आते हैं। दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश भारत में वर्तमान में केवल 6.52 करोड़ परिवार ही बीपीएल श्रेणी में आते हैं। हर बार जब एलपीजी की कीमतें बढ़ाई जाती हैं, तब सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के घाटे का तर्क सामने रखा जाता है। जबकि इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम जैसी कंपनियां देश की प्रमुख महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां हैं और सरकार के राजस्व का महत्वपूर्ण स्रोत भी हैं। इन कंपनियों में सरकार की नियंत्रक हिस्सेदारी है। इनके अलावा ओएनजीसी और ऑयल इंडिया जैसी अन्य सरकारी कंपनियों की भी इनमें हिस्सेदारी है। ओएनजीसी और ऑयल इंडिया अपस्ट्रीम तेल सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां हैं, जबकि आईओसी, एचपीसीएल और बीपीसीएल डाउन स्ट्रीम क्षेत्र में कार्य करती हैं। ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में अलग–अलग भूमिकाएं निभाने के बावजूद ये सभी कंपनियां एक–दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं और देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वित्त वर्ष 2024–25 में ओएनजीसी और ऑयल इंडिया का संयुक्त शुद्ध लाभ लगभग 42,650 करोड़ रुपये रहा। पेट्रोलियम क्षेत्र केंद्र और राज्य सरकारों के लिए राजस्व का बड़ा स्रोत है। अनुमान है कि यह क्षेत्र केंद्र सरकार के कुल कर राजस्व का लगभग 14 प्रतिशत और राज्यों के अपने कर राजस्व का लगभग 15 प्रतिशत योगदान देता है। वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान सरकारी तेल कंपनियों ने मिलकर 4.15 लाख करोड़ रुपये से अधिक का योगदान दिया, जिसमें जिसमें 92,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि केंद्र सरकार को प्रॉफिट पेट्रोलियम और सरकारी कंपनियों के लाभांश आदि के रूप में प्राप्त हुई। प्रॉफिट पेट्रोलियम से आशय तेल और गैस के अन्वेषण एवं उत्पादन से प्राप्त लाभ में सरकार की हिस्सेदारी से है। इसके अलावा ये कंपनियां कॉरपोरेट कर, उत्पाद शुल्क और वैट का भुगतान करती हैं तथा सरकार को नियमित रूप से बड़ा लाभांश भी देती हैं। ऐसे में यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि रसोई गैस की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी के लिए हर बार तेल विपणन कंपनियों के कथित घाटे का सहारा लिया जाता है। एलपीजी केवल एक वाणिज्यिक उत्पाद नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों के लिए भोजन पकाने की बुनियादी जरूरत है। सरकार इस विषय की संवेदनशीलता को समझती है। यही कारण है कि चुनावों से पहले आम तौर पर तेल और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी से बचा जाता है। हाल में ईरान और खाड़ी क्षेत्र में तनाव तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में उछाल के बावजूद हाल ही में संपन्न तमिलनाडु, असम, केरल, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों से पहले घरेलू तेल कंपनियों को कीमतें बढ़ाने की अनुमति नहीं दी गई थी। वैश्विक स्तर पर ऊर्जा कीमतों और परिवहन लागत में बढ़ोतरी के कारण अधिकांश देशों की तरह भारत भी चुनौतियों का सामना कर रहा है। फिर भी, यदि सऊदी अरब और मलेशिया जैसे देश अपने नागरिकों को वैश्विक महंगाई से बचाने के लिए ईंधन और गैस पर भारी सब्सिडी दे सकते हैं।

सलमान खान-ऐश्वर्या की फिल्म के 27 साल पूरे, जानिए इससे जुड़े कुछ मजेदार किस्से

> हम दिल दे चुके सनम में वनराज का किरदार निभाकर अजय देवगन ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। लेकिन, कम ही लोग जानते हैं कि यह रोल पहले आमिर खान, शाहरुख खान और संजय दत्त को

पीले–लाल रंगों से सजा गुजराती आंगन, शहनाइयों की गूंज, ढलती शाम की सुनहरी रोशनी और नंदिनी–समीर की प्रेम कहानी... हम दिल दे चुके सनम सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि 90 के दशक की सबसे खूबसूरत सिनेमाई यादों में से एक थी। लेकिन पर्दे पर दिखने वाली इस जादुई दुनिया के पीछे कई दिलचस्प फैसले, अनसुने किस्से और चौंकाने वाले संयोग छिपे थे। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी इस फिल्म को दर्शकों से खूब प्यार मिला था। इसका संगीत भी काफी हिट रहा। फिल्म को रिलीज को आज 27 साल हो चुके हैं। जानते है उन कहानियों को, जिन्होंने हम दिल दे चुके सनम को एक अमर प्रेम कहानी बना दिया। फिल्म की मूल कहानी की तुलना अक्सर 1983 की फिल्म वो सात दिन से की जाती है। उस फिल्म में भी एक पति अपनी पत्नी को उसके पुराने प्रेमी से मिलाने की कोशिश करता है। हालांकि, भंसाली ने इसे अपने अंदाज में पेश किया।

फिल्म का अंत आज भी आइकॉनिक है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान खान चाहते थे कि नंदिनी आखिर में समीर के पास लौट आए। हालांकि, भंसाली अपने ऑरिजनल क्लाइमैक्स पर कायम रहे और नंदिनी ने अपने पति के साथ रहने का फैसला कराया। संजय लीला भंसाली नंदिनी के किरदार के लिए एक खास चेहरे की तलाश में थे। राजा हिंदुस्तानी की स्क्रीनिंग के दौरान ऐश्वर्या राय से उनकी मुलाकात हुई और ऐश्नर्या ने उनके काम की तारीफ की। संजय ने बाद में कहा कि ऐश्वर्या की आंखों में एक अलग चमक थी और उसी समय उन्होंने तय कर लिया था कि यही उनकी नंदिनी होंगी। हम दिल दे चुके सनम में वनराज का किरदार निभाकर अजय देवगन ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। लेकिन, कम ही लोग जानते हैं कि यह रोल पहले आमिर खान, शाहरुख खान और संजय दत्त को ऑफर किया गया था। आखिरकार यह किरदार अजय के पास पहुंचा और उन्होंने इसे बखूबी निभाया।

बहुत कम लोग जानते हैं कि फिल्म का शुरुआती नाम दिल तो हमने दिया सनम था। बाद में इसे बदलकर हम दिल दे चुके सनम कर दिया था। जो आगे चलकर हिंदी सिनेमा के सबसे यादगार शीर्षकों में शामिल हो गया। भारत में फिल्म हम दिल दे चुके सनम नाम से रिलीज हुई थी। लेकिन, इस फिल्म को अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्ट्रेट फ्रांम द हार्ट नाम से रिलीज किया गया था। विदेशी दर्शकों तक फिल्म की भावनात्मक कहानी को पहुंचाने के लिए यह बदलाव किया गया।

फिल्म में समीर कई बार आसमान की ओर देखकर अपने दिवंगत पिता से बातें करता नजर आते है। कहा जाता है कि यह आदत भंसाली के बचपन के अनुभवों से प्रेरित थी और उन्होंने इसे किरदार का हिस्सा बनाया। भंसाली चाहते थे कि नंदिनी का घर किसी जीवंत पेंटिंग की तरह दिखाई दे। इसलिए सेट डिजाइन, रंगों के चयन, ड्रेस और लाइटिंग पर महीनों तक काम किया गया था। यही वजह है कि फिल्म का विजुअल ट्रीटमेंट आज भी याद किया जाता है। फिल्म का सबसे लोकप्रिय गीत तड़प तड़प के इस दिल से शुरुआत में किसी दूसरी फिल्म के लिए बनाया गया था। लेकिन,बाद में संगीतकार इस्माइल दरबार ने इसे हम दिल दे चुके सनम का हिस्सा बनाया और यह गीत फिल्म की पहचान बन गया। फिल्म का लोकप्रिय गीत शनिंबूड़ा निंबूड़ाश की शूटिंग के दौरान ऐश्वर्या राय के पैरों में सूजन आ गई थी। इसके बावजूद उन्होंने पूरे जोश और एनर्जी के साथ डांस सीक्वेंस पूरा किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक डॉयरेक्टर संजय ने फिल्म में त्याग, इंतजार और प्रेम के बीच चुनाव जैसी भावनाओं की प्रेरणा अपने निजी अनुभवों और अपने परिवार के रिश्तों से ली थी। यही वजह है कि फिल्म के भावनात्मक सीन दर्शकों से गहरा जुड़ाव बनाते हैं।

60 की उम्र में फेसबुक पर मिला प्यार और 75 दिनों में की शादी, फिल्मी है 'लगान' फेम सुहासिनी मुले की लव स्टोरी

60 की उम्र! आमतौर पर इसे जिम्मेदारियों से मुक्त होकर आराम करने का पड़ाव माना जाता है। मगर, ऐसे वक्त में अगर कोई नए सिरे से जिंदगी शुरू करे तो? बातें बनाने वाले शायद बातें बनाएं, लेकिन जिंदगी जीने का हुनर जिन्हें आता है, वो ऐसे फैसले ले लेते हैं। यूं तो इन दिनों आमिर खान 61 की उम्र में तीसरी शादी करने वाले हैं और इसे लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। सलमान खान 60 की उम्र में मोस्ट एलिजिबल बैचलर हैं। लोग उनकी शादी की उम्मीद में बैठे हैं। ऐसे ही उम्र के इसी पड़ाव पर आमिर खान की ऑनस्क्रीन मां अभिनेत्री सुहासिनी मुले ने भी शादी रचाई। सुहासिनी मुले एक बार फिर अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में हैं। चर्चा इस बात की है कि वे 15 वर्ष पहले 60 की उम्र में दुल्हन बनी थीं। इससे भी ज्यादा चर्चा इस बात की है कि उन्हें अपना प्यार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर मिला था। यूं तो सुहासिनी एक को–स्टार के सुझाव पर फेसबुक से जुड़ी थीं। वे यहां काम की तलाश में आई थीं। मगर, किस्मत ने मुलाकात करा दी उनकी मोहब्बत से। फिर हुआ ये कि 75 दिनों के अंदर शादी का फैसला ले लिया। सुहासिनी और उनके पति अतुल की मुलाकात फेसबुक पर काफी मजेदार अंदाज में हुई। फेसबुक पर एक दिन जब वे स्क्रॉल कर रही थीं, तो उन्हें पीपुल यू मे नो में अतुल गुर्टू की प्रोफाइल सजेशन में दिखी। सुहासिनी के मुताबिक, मैंने अतुल का प्रोफाइल देखा और सोचा, श्क्या भौतिक वैज्ञानिक भी फेसबुक पर होते हैं? वह उस समय स्विट्जरलैंड में एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे। मुझे हमेशा से विज्ञान में रुचि रही है, इसलिए मैंने उत्सुकता से एक मैसेज भेज दिया और उस प्रोजेक्ट के बारे में सवाल किया। यहीं से बातचीत शुरू हो गई। धीरे–धीरे ईमेल और मैसेज होने लगे और एक–दूसरे को समझने लगे। सुहासिनी ने बताया कि एक दिन अतुल ने बातों–बातों में दिल की बात कर दी। उन्होंने बताया कि वे जीवनसाथी की तलाश कर रहे हैं। सुहासिनी ने कहा, उन्होंने सीध ो तौर पर कभी कुछ प्रपोज नहीं किया, लेकिन उन्होंने इसका इशारा जरूर दिया। जब मुझे एहसास हुआ कि वे किसी की तलाश में हैं, तो मैं मन ही मन हंसी। मैंने सोचा, जब मुझे 60 वर्षों में सही इंसान नहीं मिला, तो अब अचानक कैसे मिल जाएगा? सुहासिनी ने अतुल और अपनी बातचीत का जिक्र अपनी एक दोस्त से किया। दोस्त ने सुझाव दिया कि इस उम्र में तुम्हारे पास विकल्प यूं ही काफी कम हैं। दरवाजा खोलने से पहले ही उसे बंद मत करो। बातचीत आगे बढ़ाओ, अगर वह पसंद न आए तो तुम हमेशा पीछे हट सकती हो। हालांकि, सुहासिनी फिर भी सतर्क थीं। अतुल ने नंबर मांगा तो उन्होंने साफ कहा, श्अच्छी लड़कियां अजनबियों को अपना नंबर नहीं देतीं। इंटरनेट की दुनिया में यह देखना जरूरी है कि सामने वाला सच बोल रहा है या नहीं।अपनी तसल्ली के लिए सुहासिनी ने अतुल के बारे में पूरी पड़ताल की और टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च की वेबसाइट पर मौजूद उनकी आधिकारिक तस्वीरों को फेसबुक की तस्वीर से मैच किया। सबकुछ सही पाए जाने के बाद एक बचपन की सहेली ने हिम्मत दी और इस तरफ आगे बढ़ने का सुझाव दिया। जुलाई में दोनों की बातें शुरू हुई थीं। अतुल मिलना चाहते थे। पहली मुलाकात दिवाली के अगले दिन तय हुई। सुहासिनी की चेकलिस्ट पर डॉ. अतुल गुर्टू खरे उतरे।

प्रीति जिंटा ने मुबई में लिया नया घर, हर महीने देंगी इतने लाख का किराया

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा फिलहाल चर्चाओं में आ गई हैं। हाल ही में उन्होंने मुंबई में एक नया घर खरीदा है। जानिए उन्होंने कहां और कितने में ये घर खरीदा है। प्रीति जिंटा ने बांद्रा (वेस्ट) के पॉश इलाके पाली हिल में एक अपार्टमेंट दो साल के लिए लीज पर लिया है, जिसका शुरुआती किराया 6 लाख रुपये प्रति महीना है। सीआरई मेट्रिक्स के दस्तावेजों के मुताबिक, यह अपार्टमेंट 'आर्ट वेदा' बिल्डिंग में स्थित है और करीब 1,500 स्क्वायर फीट में फैला हुआ है। इसके साथ 100 स्क्वायर फीट का पार्किंग स्पेस भी शामिल है। यह प्रॉपर्टी एमएस यूनियन लैंड एंड बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड से लीज पर ली गई है और एग्रीमेंट 27 मई 2026 से लागू हो चुका है। एग्रीमेंट के अनुसार, पहले 12 महीनों के लिए मासिक किराया 6 लाख रुपये होगा, जबकि अगले 12 महीनों में यह बढ़कर 6.5 लाख रुपये प्रति महीना हो जाएगा। इसके अलावा, इस डील में 27 लाख रुपये का सिक्योरिटी डिपॉजिट भी शामिल है। इस साल की शुरुआत में प्रीति जिंटा ने पाली हिल इलाके में ही अपना एक अपार्टमेंट 18.50 करोड़ रुपये में बेचा था। यह अपार्टमेंट उन्हें अप्रैल 2025 में उनके पुराने बिल्डिंग के री–डेवलपमेंट के बाद मिला था। पिछले चार महीनों में यह उनका दूसरा अपार्टमेंट सेल था। नवंबर 2025 में उन्होंने 'रुस्तमजी परिश्रम' बिल्डिंग में 11वीं मंजिल पर स्थित 1,474 स्क्वायर फीट का एक फ्लैट 14 करोड़ रुपये से ज्यादा में बेचा था। इसके अलावा, 2 मार्च 2026 को दर्ज एक और डील में उन्होंने इसी बिल्डिंग की 11वीं मंजिल पर 1,770 स्क्वायर फीट का एक और अपार्टमेंट बेचा। इस प्रॉपर्टी को अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के खरीदार प्रिया नगर और राजीव नगर ने खरीदा था। इस डील में 1. 11 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी और 30,000 रुपये की रजिस्ट्रेशन फीस भी दी गई थी।

'द इंडिया स्टोरी' का पोस्टर रिलीज, काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े उठाएंगे मिलावटखोरी का मुद्दा

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अगली फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म की पहली झलक सामने आ गई है, जिसके बाद से ही फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। 'द इंडिया स्टोरी' फिल्म खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर आधारित है और एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा पेश करने वाली है। पोस्टर में श्रेयस तलपड़े एक बीमार छोटी बच्ची को गोद में उठाए नजर आ रहे हैं। बैकग्राउंड में बॉम्बे हाई कोर्ट दिखाया गया है। साथ ही एक कीटनाशक (पेस्टिसाइड) का सिलेंडर गवाह के बॉक्स में रखा हुआ नजर आता है, जो इस बात का इशारा करता है कि फिल्म में कानूनी लड़ाई अहम भूमिका निभाएगी। यह पोस्टर साफ दिखाता है कि फिल्म खाने में मिलावट के खतरनाक असर को दिखाएगी और बताएगी कि यह समस्या देश के लाखों परिवारों को कैसे प्रभावित करती है। फिल्म का मकसद लोगों को इस गंभीर मुद्दे के प्रति जागरूक करना है, जो अक्सर नजरअंदाज हो जाता है। फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है और इसे सागर बी शिंदे ने लिखा और प्रोड्यूस किया है। फिल्म में भारत के एक बड़े लेकिन कम चर्चा में रहने वाले पब्लिक हेल्थ इश्यू को दिखाया जाएगा। फिल्म के को–प्रोड्यूसर्स में स्वाति विनायक सैंदाने, अनीता जाधव, विनायक सैदानी, कल्पेश शाह, देवयानी खोराटे और प्रेम जोशी शामिल हैं। वहीं फिल्म की टेक्निकल टीम में सिनेमैटोग्राफर निशांत भगवत, म्यूजिक कंपोजर मंगेश धाकड़े, एडिटर आशीष म्हात्रे, गीतकार शकील आजमी और साउंड डिजाइनर अनमोल भावे हैं। 'द इंडिया स्टोरी' 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में दुनियाभर में रिलीज की जाएगी।

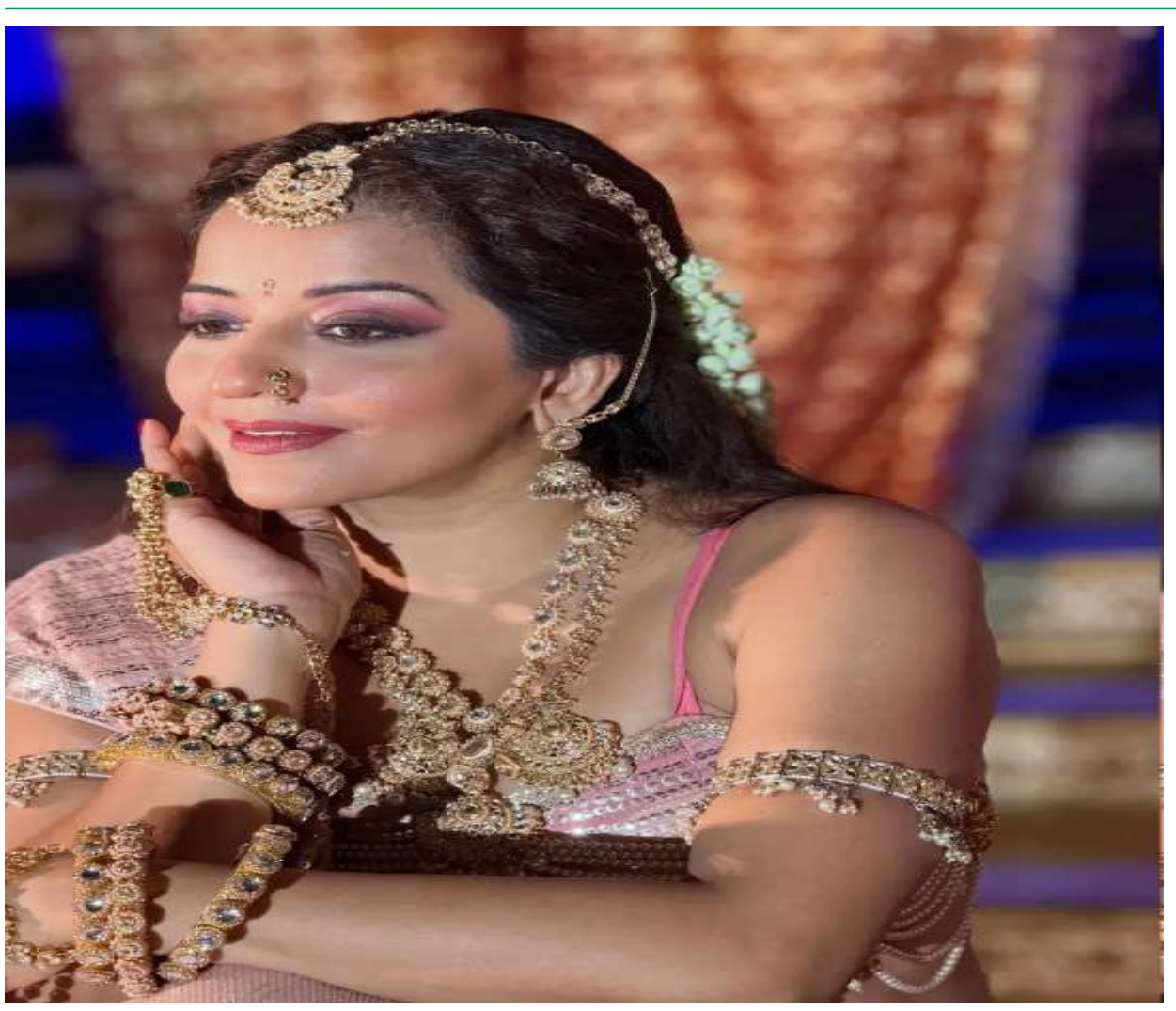

वसंतसेना के किरदार में अप्सरा सी खूबसूरत लगीं मोनालिसा अभिनेत्री ने अपने नए शो से साझा किया लुक

मोनालिसा अपनी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर खूब सुर्खियां बटोरती हैं। एक बार फिर वे अपने लुक को लेकर छा गई हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज शेयर किए हैं, जिनमें वे किसी अप्सरा सी खूबसूरत लग रही हैं। मोनालिसा की ये फोटोज उनके नए किरदार की हैं, जिसे वे एक शो में निभाती दिखेंगी। फिलहाल, वे शो की शूटिंग कर रही हैं। मोनालिसा इस शो में वसंतसेना का किरदार निभाती नजर आएंगी। साझा की गई तस्वीरों में वे बला की खूबसूरत लग रही हैं, मानो स्वर्ग से कोई अप्सरा उतर आई हो। मोनालिसा ने तस्वीरों के साथ लिखा है, सुंदर सुंदर। वसंतसेना। बता दें कि अभिनेत्री गुजरात के उमरगाम में फिलहाल इस शो की शूटिंग कर रही हैं। वसंतसेना प्राचीन भारतीय संस्कृत साहित्य के नाटक मृच्छकटिकम् की मुख्य नायिका है, वह उज्जयिनी की एक बेहद धनी, खूबसूरत और कला प्रेमी नगरवधू थीं। मोनालिसा का यह अंदाज देख फैंस क्रेजी हो रहे हैं और तारीफों की झड़ी लगा दी है।

आपके छोटे बेबी के लिए भी जरूरी है एक्सरसाइज, दिमाग होता है तेज

फिट रहने के लिए एकस्पर्ट्स अक्सर एक्सरसाइज करने की सलाह देते हैं। हर उम्र के लोगों के लिए एक्सरसाइज जरूरी है। एक्टिव रहने और खुद को मानसिक तौर पर हेल्दी रखने का ये अच्छा तरीका है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपके छोटे बेबी के लिए भी एक्सरसाइज जरूरी है? जी हां, नवजात को एक्सरसाइज करवाने पर उनकी हड्डियां, मांसपेशियां और जोड़ मजबूत होते हैं।

कैसे कराएं एक्सरसाइज

अगर बच्चे की उम्र एक साल से कम है तो ये मुश्किल हो सकता है। लेकिन रिपोर्ट्स की मानें तो बेबी को एक्टिव रखने की कोशिश कर सकते हैं। अगर बच्चा घुटनों के बल चलने लगा है तो उसे घूटनों के बल चलाकर एक्टिव रख सकते हैं। अगर बेबी अभी चल नहीं रहा है तो आप कुछ एक्सरसाइज कर सकते हैं जिसमें पुलिंग, पुशिंग, बॉडी और हाथ पैरों को स्ट्रेच करना और सिर हिलाना शामिल है।

टमी टाइम

बच्चे के लिए ये काफी जरूरी होता है। जब बेबी खुद से मूव करना शुरू कर दे तब ये जरूर करवाएं। बेबी जब जाग रहा हो तो उसे दिनभर में लगभग 30 मिनट के लिए टमी टाइम जरूर करवाएं। इस दौरान उसे खेलने दें।

पैरों की करवाएं एक्सरसाइज

बच्चों के पैरों को साइकिल की तरह चलाना अच्छा है। ये बच्चों के जोड़ों, घुटनों, कूल्हों और पेट की मांसपेशियों के लिए बहुत अच्छी रहती है। इससे शरीर में लचीलापन बढ़ता है।

चिलचिलाती गर्मी में शरीर को ठंडक देगी तरबूज की कुल्फी

गर्मी के मौसम में ऐसी चीजें खाने का दिल करता है जो शरीर को ठंडक दे। खासतौर पर चिलचिलाती गर्मी में अगर ठंडी–ठंडी कुल्फी मिल जाए तो मजा ही आ जाता है। आपने खोए की कुल्फी कई बार खाई होगी लेकिन आज आपको बताएंगे तरबूज की कुल्फी।

तरबूज स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है इसमें पाए जाने पोषक तत्व शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करते हैं। ऐसे में इसस तैयार कुल्फी शरीर को स्वस्थ रखने के साथ–साथ स्वाद भी देगी। तो चलिए जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी के बारे में...

सामग्री

तरबूज – 2 कप

चीनी – स्वादअनुसार

नींबू का रस – 3 टेबलस्पून

कुल्फी का सांचा

बनाने की विधि

1. सबसे पहले तरबूज को काटकर उसके बीज निकाल दें ।

2. बीज निकालने के बाद इसे अच्छे से काट लें।

3. कटे हुए तरबूज और चीनी को मिक्सी में डालकर पेस्ट तैयार कर लें।

4. पेस्ट को एक प्लेट में निकालकर उसमें नींबू का रस मिलाएं।

5. सारी मिश्रण को अच्छे से मिक्स कर लें।

6. अब इस मिश्रण को कुल्फी के सांचे में डालकर 5–6 घंटे के लिए फ्रिज रखें।

7. तय समय बाद इसे बाहर निकाल लें।

8. आपकी टेस्टी और ठंडी–ठंडी तरबूज की कुल्फी बनकर तैयार है।

9. प्लेट में डालकर बच्चों को इसका स्वाद चखाएं।

डिलीवरी के बाद नहीं आती नींद तो बरतें सावधानी! पोस्टमार्टम डिप्रेशन का हो सकता है लक्षण

प्रेग्नेंसी हर महिला के लिए एक बहुत ही नाजुक दौर होता है इस दौरान उनके शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं। शारीरिक और मानसिक बदलाव का महिलाओं को सामना करना पड़ सकता है। ऐसा महिला के शरीर में होने वाले हार्मोनल्स बदलावों के कारण होता है परंतु यह बदलाव सिर्फ तब तक ही नहीं होता जब तक महिलाएं गर्भवती होती हैं बल्कि बच्चे के जन्म के बाद भी महिलाओं का जीवन पूरी तरह से बदल जाता है। कुछ महिलाओं तो गर्भवस्था के बाद डिप्रेशन का शिकार हो जाती हैं। जब यह तनाव गंभीर हो जाए तो इसे पोस्टमार्टम डिप्रेशन कहते हैं। लेकिन पोस्टपार्टम डिप्रेशन क्या होता है और आप इससे कैसे बच सकते हैं आज आपको इसके बारे में बताएंगे...

क्या होता है पोस्टपार्टम डिप्रेशन?

एक्सपर्ट्स की मानें तो बच्चे की डिलीवरी के बाद मां को होने वाले डिप्रेशन को पोस्टपार्टम डिप्रेशन कहते हैं। इस दौरान महिलाओं को थकावट, चिंता, उदासी, नींद कम आना और असहज महसूस होना जैसे लक्षण दिखते हैं। कई कारणों के कारण महिलाओं में पोस्टपार्टम डिप्रेशन बढ़ने लगता है। इसके अलावा एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन नाम के हार्मोन में अचानक से बदलाव होने के कारण ब्रेन में कुछ रासायनिक अंसुतलन पैदा होने लगता है जिससे मूड स्विंग्स, चिड़चिड़ापन आदि का कारण भी बनती हैं। टांकों में दर्द होना, सही तरह से आराम न कर पाना, नींद ना आना, बच्चे की जिम्मेदारी और परिवार की उम्मीदें भी पोस्टपार्टम डिप्रेशन को कारण बनती हैं।

इसके लक्षण

. बहुत ज्यादा तनाव
. उदास और निराश महसूस करना
. नींद कम या ज्यादा आना
. आसपास की चीजों में कोई रुचि नहीं होना
. हर जगह दर्द होते रहना
. भूख न लगना या बहुत ज्यादा खाना खाना
. परिवार और दोस्तों से दूर रहना
. बहुत ज्यादा गुस्सा करना
. बच्चे के साथ अच्छी बॉन्डिंग न महसूस हो पाना

कैसे करें इसे मैनेज?

पोस्टपार्टम डिप्रेशन को दूर करने के लिए आप परिवार वालों की मदद ले सकती हैं। परिवार वाले नई बनी मां को इमोशनल सपोर्ट करें, उसे आत्मविश्वास दें, बच्चे की देखभाल करने में उनकी मदद करें, उनकी परेशानी समझें और उनसे बात करने की कोशिश करें, लाइफस्टाइल में बदलाव करें, दिन में अपने लिए कुछ समय निकालें, योगा और एक्सरसाइज करें, हैल्दी डाइट लें। लाइफ में आए बदलावों को स्वीकारें, यदि समस्या बढ़ती है तो एक्सपर्ट्स की मदद से आप काउंसलिंग ले सकते हैं।

कमजोर बृहस्पति मुश्किलों से भर सकता है आपका जीवन, ये उपाय सोने की तरह चमका देंगे किस्मत!

शास्त्रों के अनुसार सभी नौ ग्रहों में देवगुरू बृहस्पति सबसे बड़े और शुभ ग्रह माने गए हैं। गुरु ग्रह को धन, वैवाहिक जीवन यापन करता है। उसे हर कदम पर सफलता मिलती है। लेकिन बृहस्पति दूषित हो तो कष्ट भोगना पड़ता है। स्वास्थ संबंधी समस्या, विवाह में दिक्कतें, आर्थिक तंगी की समस्या से जूझना पड़ता है। आइए जानते हैं गुरु ग्रह को मजबूत बनाने के लिए या फिर इस ग्रह के दोष को कम करने के लिए कुछ आसान उपाय कौन से हैं...

बृहस्पति को प्रसन्न करने के उपाय

पीली वस्तु का करें दान

पीला रंग भगवान बृहस्पति देव का है। इसलिए गुरु से जुड़ी पीली वस्तुएं जैसे सोना, चने की दाल, आम, केला आदि दान करें। ऐसा करने से बृहस्पतिदेव प्रसन्न होकर शुभ फल प्रदान करते हैं।

गुरुवार का व्रत रखें

बृहस्पति देव को प्रसन्न करने के लिए गुरुवार के दिन व्रत रखें। इस दिन पीले वस्त्र पहवें और बिना नमक का पीला भोजन करें। इस दिन मां लक्ष्मी और भगवान सत्यनारायण की पूजा करने से भी लाभ मिलता है।

पुखराज पहनें

विवाह में अड़चने आ रही हों तो शुक्ल पक्ष के गुरुवार के दिन सोने से जड़ित पुखराज पहनना अच्छा होता है। इसे ज्योतिष की सलाह के बाद पहनें। अगर पुखराज नहीं पहन सकते तो हल्दी की गांठ या केले की जड़ को पीले कपड़े में बांधकर दाहिनी भुजा या गले में लॉकेट बनाकर पहनें। इससे गुरू ग्रह मजबूत होगा और विवाह में आने वाली बाधाएं दूर होंगी।

हल्दी का टुकड़ा रखें पर्स में

आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए गुरुवार को गोमती चक्र, कौड़ी, केसर और हल्दी का टुकड़ा इनमें से कोई एक चीज भी आप अपने पर्स में रख सकते हैं। ये वस्तुएं समृद्धि का कारक मानी गईं है। इससे आपके पास पैसों की कमी नहीं आएगी।

भगवान सत्यनारायण की कथा सुनें

स्वास्थ संबंधी समस्या दूर करने के लिए बृहस्पतिवार के दिन केले के वृक्ष की पूजा के बाद भगवान सत्यनारायण की या बृहस्पतिवार की कथा सुनना बहुत अच्छा माना गया है।

नोट– यहां मुहैया सूचना सिर्फ मान्यताओं और जानकारियों पर आधारित है। यहां यह बताना जरूरी है कि हम किसी भी तरह की मान्यता, जानकारी की पुष्टि नहीं करता है।

हाई बीपी से परेशान लोग ऐसे करें नींबू का इस्तेमाल, तुरंत कंट्रोल होगा ब्लड प्रेशर

साइलेंट किलर नाम से मशहूर हाई ब्लड प्रेशर को हाइपरटेंशन और उच्च रक्तचाप के नाम से भी जाना जाता है। यह एक गंभीर रोग है जो व्यक्ति के हृदय, मस्तिष्क, गुर्दे के साथ अन्य अंगो को भी नुकसान पहुंचा सकता है। बता दें, हाई ब्लड प्रेशर ज्यादा स्ट्रेस लेने, फिजिकली एक्टिवटी ज्यादा या कम करने से, खान–पान की खराब आदतों की वजह से अचानक बढ़ सकता है। जिसे कंट्रोल करने के लिए नींबू के इन 3 तरीकों का इस्तेमाल किया जा सकता है। बता दें, नींबू एक सिट्रस फ्रूट है, जिसका सेवन करने से शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का असंतुलन ठीक होता है। इतना ही नहीं, इसमें मौजूद विटामिन सी में एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं जिससे हाइपरटेंशन की समस्या दूर होती है। आइए जानते हैं कैसे नींबू के इन 3 तरीकों को इस्तेमाल करके आप हाई बीपी की समस्या को कंट्रोल कर सकते हैं।

हाई बीपी के लक्षण–

छाती में दर्द, चक्कर आना, चेहरा लाल होना, सांस लेने में मुश्किल, कमजोरी, धुंधली नजरें, पेशाब में खून आना, थकान, टेंशन, दिल की धड़कन में गड़बड़ी, सिरदर्द, नाक से खून आना।

बीपी हाई होने के कारण–

बीपी हाई होने के पीछे कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं, जैसे– फैमली हिस्ट्री, जेनेटिक, उम्र और सबसे बड़ा कारण खराब जीवनशैली।

हाई बीपी के जोखिम–

हाई ब्लड प्रेशर की वजह से हार्ट अटैक, एन्यूरिज्म, हार्ट फेलियर, किडनी की बिमारी, आंखों से संबंधित समस्याएं, मेटाबोलिक सिंड्रोम, मेमोरी लॉस, डिमेंशिया, जैसी जटिलताएं पैदा हो सकती हैं।

हाई बीपी को कंट्रोल करने के उपाय–

नींबू का शरबत–

बीपी कंट्रोल करने के लिए नींबू का शरबत बनाकर पिएं। इसके लिए एक गघ्लिास ठंडे पानी में सेंधा नमक और एक बड़ा चम्मच नींबू का रस डालें। आपका नींबू का शरबत बनकर तैयार है। नींबू का शरबत पीने से हाई बीपी को कंट्रोल कघ्या जा सकता है।

नींबू और दालचीनी–

दालचीनी और नींबू का सेवन करने से भी बीपी कंट्रोल करने में मदद मघ्लिती है। दालचीनी में एंटीऑक्ष्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जिससे बीपी कंट्रोल करने में मदद मिलती है। दालचीनी पाउडर को नींबू के रस में मिलाकर उसका पेस्ट तैयार करके उसे गुनगुने पानी के साथ लें

नींबू और काली मिर्च–

बीपी को तुरंत कंट्रोल करने के लिए आधा गिलास पानी में काली मिर्च का ताजा पाउडर और नींबू का रस मिलाकर हर आधे घंटे में पिएं। इस उपाय को करने से बीपी धीरे–धीरे कंट्रोल हो जाएगा। काली मिर्च में पाया जाने वाला पाइपराइन बीपी कंट्रोल करने में मदद करता है।

संक्षिप्त

आईपीएल 2027 का सीजन समय से पहले हो सकता है शुरू

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) आईपीएल 2027 का सीजन समय से पहले शुरू कराने पर विचार कर रहा है। बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि देश के अधिकांश हिस्सों में मई में पड़ने वाली भीषण गर्मी से बचने के लिए आईपीएल को अगले साल से 10 मार्च से 15 मई तक आयोजित करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने हालांकि स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए मैचों की संख्या 74 ही रहेगी और इसे बढ़ाकर 94 नहीं किया जाएगा। आमतौर पर आईपीएल का सीजन मार्च के आखिरी सप्ताह में शुरू होकर मई के आखिर तक चलता है। सैकिया का कहना है कि आईपीएल का सीजन समय से पहले होने से खिलाड़ियों और दर्शक दोनों के लिए लाभकारी होगा। सैकिया ने कहा, इस साल आईपीएल 28 मार्च को शुरू हुआ और 31 मई तक चला। हम इस पर चर्चा कर रहे हैं कि कि 15 मई के बाद टूर्नामेंट के अंतिम चरण में बारिश या मानसून से पहले के मौसम से व्यवधान पड़ने की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा तब तक मौसम काफी गर्म हो जाता है जो न तो खिलाड़ियों के लिए और ना ही दर्शकों के लिए बहुत अनुकूल है। बीसीसीआई सचिव ने कहा कि मई के अंतिम पखवाड़े में बढ़ते तापमान से निपटने के लिए टूर्नामेंट को दो सप्ताह पहले शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, बीसीसीआई के साथ–साथ हमारी आईपीएल संचालन परिषद में भी इस बात पर चर्चा चल रही है कि क्या हम टूर्नामेंट को मार्च के आखिर के बजाय थोड़ा पहले शुरू कर सकते हैं। अगले साल से हम इसे जल्दी शुरू करने का प्रयास करेंगे। मैंने अपने महाप्रबंधक (खेल विकास) (पूर्व तेज गेंदबाज एबी कुरुविला) को निर्देश दे दिया है कि वह ऐसा कार्यक्रम तैयार करें जिससे हम 10 मार्च तक टूर्नामेंट शुरू करके 15 मई तक समाप्त कर सकें।

अनिल अंबानी की कंपनी में डक रहे सतीश सेठ 14 दिन की हिरासत में भेजे गए, पैसों की हेराफेरी का लगा है आरोप

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की द्वारका स्थित एक कोर्ट ने रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के पूर्व समूह प्रबंध निदेशक सतीश सेठ को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश सुनाया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की पूछताछ के बाद उन्हें 2 जुलाई तक हिरासत में रखा जाएगा। सेठ को गुरुवार को अवकाशकालीन न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया था। उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में गिरफ्तार किया गया है। सेठ पर फर्जी बिलों के जरिए हीरे के आयात के खिलाफ हवाला चौनलों से विदेशों में धन की हेराफेरी का आरोप है। ईडी ने आरोप लगाया कि आरआईएल दो राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) सड़क परियोजनाओं से सार्वजनिक धन की हेराफेरी का मुख्य लाभार्थी था। जिन परियोजनाओं को लेकर मुकदमा चल रहा है, ये राजस्थान के जयपुर–रिंगस टोल सड़क और त्रिची–करूर टोल सड़क थीं। अदालत में ईडी की तरफ से दायर आरोप पत्र के अनुसार, आरआईएल ने 92 करोड़ रुपये विदेश भेजे। अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में चश्मा और डॉक्टर के पर्चे के अनुसार दवाएं लेने की अनुमति दी। जेल अधिकारियों को नियमावली के अनुसार बिस्तर उपलब्ध कराने का निर्णय लेने को कहा गया है। ईडी ने कहा था कि सतीश सेठ रिलायंस अनिल अंबानी समूह (आरएएजी) की कई समूह कंपनियों के प्रमुख वाणिज्यिक और वित्तीय निर्णयों पर पूर्ण नियंत्रण रखते हुए समूह प्रबंध निदेशक के पद पर थे। सेठ लेन–देन की संरचना, धन के प्रवाह और वित्तीय एवं प्रबंधकीय निर्णयों से संबंधित निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में शामिल रहे हैं। सेठ 2000 से 2007 तक आरआईएल में कार्यकारी निदेशक थे और उसके बाद 2003 से 2007 तक निदेशक मंडल के कार्यकारी उपाध्यक्ष रहे और उसके बाद 2007 से नवंबर 2024 तक गैर–कार्यकारी उपाध्यक्ष के रूप में बने रहे।

ब्रिटेन से 15 वर्षों में 3.78 लाख कारें आएंगी भारत, आयात पर टैक्स दरें होंगी कम

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और ब्रिटेन के बीच हुए व्यापार समझौते के तहत आने वाले पहले 15 वर्षों में भारत ब्रिटेन से कुल 3.78 लाख पारंपरिक पेट्रोल और डीजल इंजन वाली यात्री कारों के आयात की अनुमति देगा। इसमें सिर्फ महंगी या खास कारें ही नहीं, बल्कि आम लोगों के इस्तेमाल वाली सस्ती और मध्यम श्रेणी कारें भी शामिल होंगी। इन कारों को भारत में लाने पर सामान्य कर (टैक्स) की तुलना में कम सीमा शुल्क देना होगा। इस समझौते के तहत कारों और दूसरे वाहनों के आयात पर लगने वाला कर (टैरिफ) लगभग 110 फीसदी से घटकर 10 फीसदी तक हो जाएगा। साथ ही दोनों देशों के बीच तय सीमा के अनुसार ही गाड़ियों के आयात और निर्यात की अनुमति दी जाएगी, यानी एक निश्चित संख्या (कोटा) से ज्यादा गाड़ियां नहीं लाई या भेजी जा सकेंगी। बुधवार को जारी इंडिया–ब्रिटेन सीईटीए दस्तावेज के अनुसार, भारत को ब्रिटेन के इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और हाइड्रोजन वाली यात्री कारों के बाजार में छठे वर्ष से बिना किसी शुल्क के निर्यात करने की सुविधा मिलेगी।

श्रीलंकाई खिलाड़ियों से वैभव की लड़ाई पर बीसीसीआई ने तोड़ी चुप्पी, कार्रवाई के सवाल पर क्या कहा?

मुंबई,एजेंसी। भारत ए और श्रीलंका ए के बीच हाल ही में खेले गए मुकाबले में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंकाई खिलाड़ी के बीच हुई ऑन–फील्ड बहस लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है। सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर तरह–तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं, जिनमें बीसीसीआई द्वारा कार्रवाई किए जाने की बातें भी शामिल हैं। हालांकि, अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने इस पूरे मामले पर स्थिति स्पष्ट कर दी है। देवजीत सैकिया ने साफ शब्दों में कहा कि मैदान पर होने वाली घटनाओं को लेकर फैसला लेने का अधिकार मैच रेफरी और अंपायरों का होता है। ऐसे मामलों में बीसीसीआई का कोई रोल नहीं है। सैकिया ने कहा, सोशल मीडिया पर बहुत सी बातें चल रही हैं, जिनमें यह अटकल भी शामिल है कि बीसीसीआई कोई कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है, लेकिन क्या आप चाहते हैं कि बीसीसीआई मैच रेफरी के अधिकार क्षेत्र में दखल दे? बीसीसीआई सचिव ने कहा कि बोर्ड ऐसे मामलों में किसी भी तरह का हस्तक्षेप नहीं करेगा, क्योंकि इससे गलत परंपरा शुरू हो सकती है। उन्होंने कहा, श्बीसीसीआई ऐसे मामलों में निर्णय लेने वाला प्राधिकरण नहीं है। हमें उस क्षेत्र में दखल नहीं देना चाहिए, जहां मैच रेफरी और अंपायर मैदान पर होने वाली घटनाओं पर फैसला लेने के लिए अधिकृत अधिकारी हैं। सैकिया के मुताबिक, यदि किसी खिलाड़ी या क्रिकेट गतिविधि से जुड़ा कोई विवाद मैदान पर होता है तो उसका निपटारा निर्धारित अधिकारियों द्वारा ही किया जाना चाहिए। देवजीत सैकिया ने स्पष्ट किया कि बीसीसीआई के नियमों और आईसीसी के प्रावधानों के तहत बोर्ड को ऐसे मामलों में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा, श्बीसीसीआई के पास खेल के संचालन में हस्तक्षेप करने या कोई कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है। जो कुछ भी हुआ, वह खेल का हिस्सा था और बीसीसीआई नियमों तथा आईसीसी विनियमों के अनुसार बोर्ड की इसमें कोई भूमिका नहीं है।

सैकिया ने सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई द्वारा कार्रवाई किए जाने की बातें पूरी तरह आधारहीन हैं। उन्होंने कहा, श्काफी अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन ये निराधार हैं। मैं भरोसा दिलाता हूं कि बीसीसीआई मैच रेफरी के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करेगा। अगर मैदान पर कुछ गलत हुआ है तो उचित अधिकारी ही उससे निपटेंगे। बीसीसीआई सचिव का मानना है कि यदि बोर्ड ऐसे मामलों में सीधे हस्तक्षेप करता है तो यह गलत उदाहरण पेश करेगा। उन्होंने कहा, ऐसा करना मैच रेफरी के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप होगा, जो बीसीसीआई नहीं करने जा रहा। यह हमारा काम नहीं है और हमारे नियमों में भी इसका प्रावधान नहीं है। ऐसे में वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंकाई खिलाड़ी के बीच हुए विवाद पर अब सभी की नजरें मैच रेफरी की रिपोर्ट और संभावित फैसले पर टिकी होंगी।

क्या गोल की जिद में टीम को नुकसान पहुंचा रहे रोनाल्डो? इस विश्व विजेता खिलाड़ी ने उठाए सवाल

न्यूयॉर्क,एजेंसी। फीफा विश्वकप 2026 में डीआर कांगो के खिलाफ पुर्तगाल के 1–1 के ड्रॉ के बाद क्रिस्टियानो रोनाल्डो की आलोचना शुरू हो गई है। फ्रांस को 1998 विश्वकप जिताने वाले दिग्गज स्ट्राइकर थिएरी हेनरी ने रोनाल्डो के खेल पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें खुद गोल करने के बजाय टीम के लिए मौके बनाने पर ध्यान देना चाहिए। हेनरी के मुताबिक रोनाल्डो की एक गलती के कारण ब्रूनो फर्नांडिस के पास आसान गोल करने का मौका नहीं बन सका। विश्वकप के अपने छठे संस्करण में खेल रहे रोनाल्डो पहले मैच में गोल करने में नाकाम रहे। पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो का फीफा विश्वकप 2026 का पहला मैच उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा। डीआर कांगो के खिलाफ 1–1 से ड्रॉ हुए मुकाबले में 41 वर्षीय स्टार खिलाड़ी गोल नहीं कर सके और अब उनके प्रदर्शन पर सवाल उठने लगे हैं। फ्रांस के विश्वकप विजेता दिग्गज थिएरी हेनरी ने तो यहां तक कह दिया कि रोनाल्डो की सोच टीम की जरूरत से ज्यादा व्यक्तिगत उपलब्धि पर केंद्रित नजर आई। मैच के बाद फॉक्स स्पोर्ट्स पर विश्लेषण करते हुए हेनरी ने एक खास घटना का जिक्र किया। दूसरे हाफ में ब्रूनो फर्नांडिस के पास गोल करने का अच्छा मौका बन सकता था, लेकिन रोनाल्डो की रनिंग लाइन उसी दिशा में आ गई। हेनरी ने कहा, टीम को गोल की जरूरत है, सिर्फ आपको गोल करने की जरूरत नहीं है। क्योंकि वह खुद गोल करना चाहते थे, इसलिए ब्रूनो फर्नांडिस के रास्ते में आ गए। उनके अनुसार यदि रोनाल्डो छह गज के बॉक्स की ओर दौड़ लगाते तो डिफेंडर उनके पीछे जाता और ब्रूनो फर्नांडिस के लिए आसान मौका बन सकता था। हेनरी ने विस्तार से समझाते हुए कहा, श्अगर वह छह गज के बॉक्स की ओर जाते तो डिफेंडर को फैसला लेना पड़ता। तब ब्रूनो फर्नांडिस के लिए आसान टैप–इन गोल का मौका बन जाता। लेकिन रोनाल्डो गेंद की दिशा में आ गए, जिससे डिफेंडरों के लिए बचाव करना आसान हो गया।श उन्होंने यह भी बताया कि उस समय ब्रूनो फर्नांडिस की प्रतिक्रिया साफ दिख रही थी। मिडफील्डर चाहते थे कि रोनाल्डो आगे की ओर रन बनाकर जगह तैयार करें, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रोनाल्डो पुरुष फुटबॉल इतिहास में रिकॉर्ड छठा विश्वकप खेल रहे हैं। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 143 गोल दर्ज हैं, जो पुरुष खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा हैं। हालांकि डीआर कांगो के खिलाफ वह गोल नहीं कर सके, लेकिन टूर्नामेंट में अभी उनके पास इतिहास रचने का मौका है। यदि वह पुर्तगाल के बचे हुए मुकाबलों में कम से कम एक गोल कर लेते हैं तो छह अलग–अलग विश्वकप में गोल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन जाएंगे। पुर्तगाल को पहले मैच में अपेक्षित नतीजा नहीं मिला और टीम को डीआर कांगो के खिलाफ अंक बांटने पड़े।

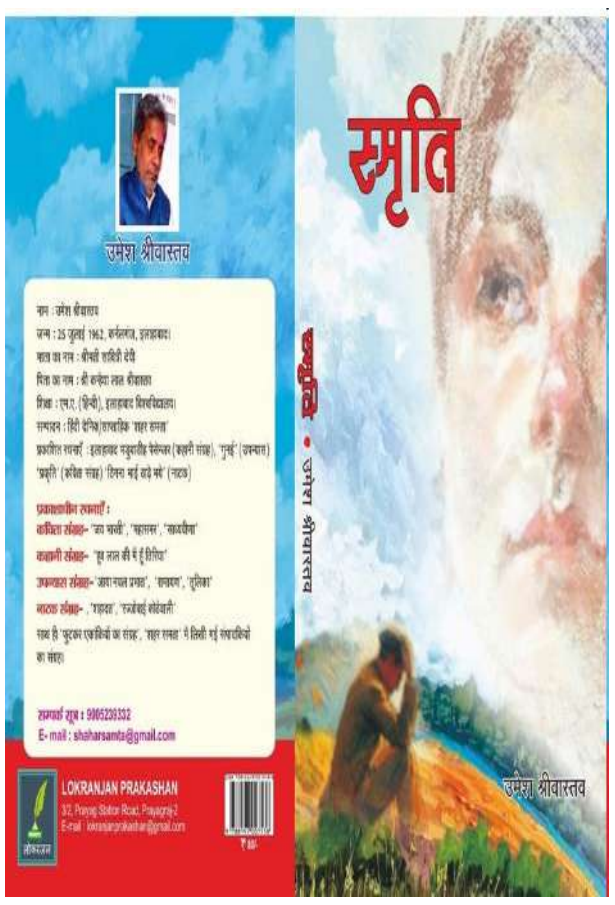

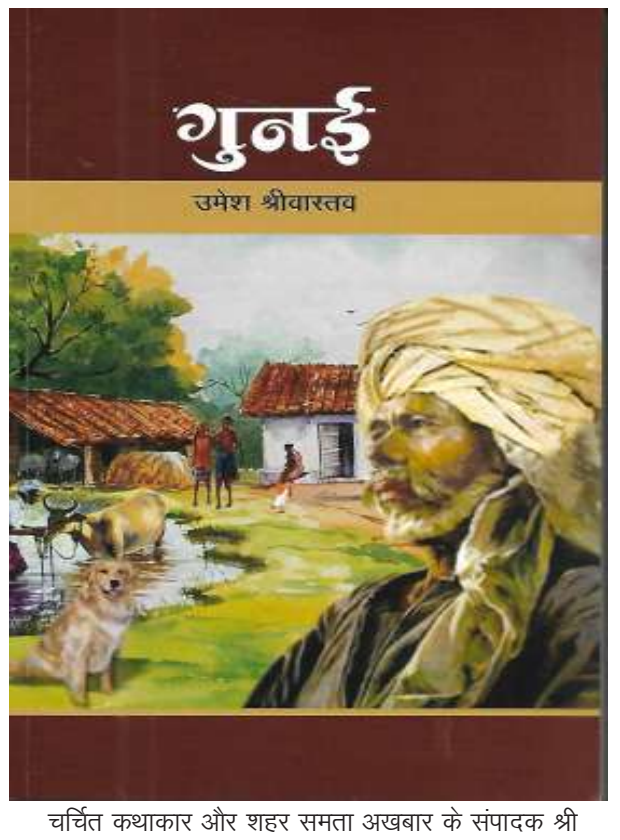

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

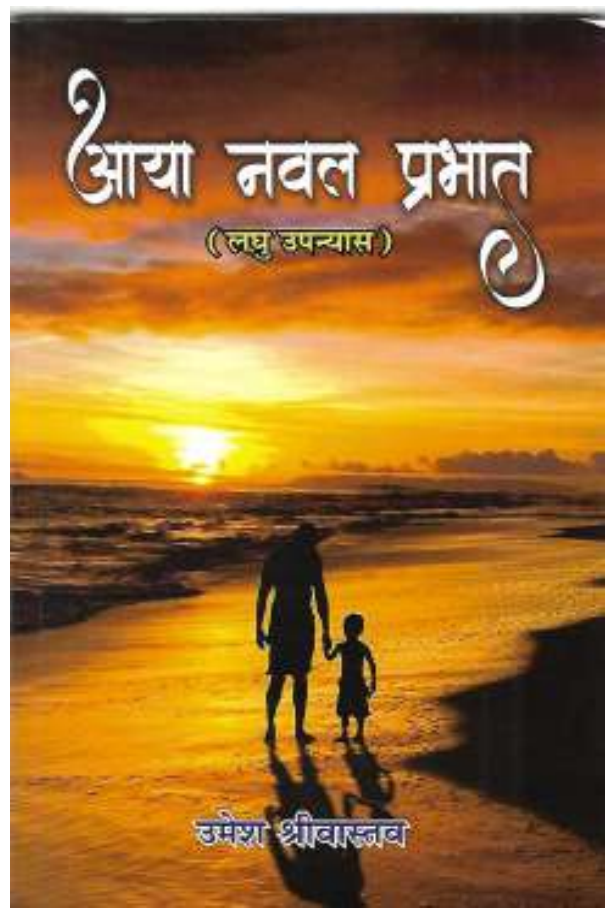

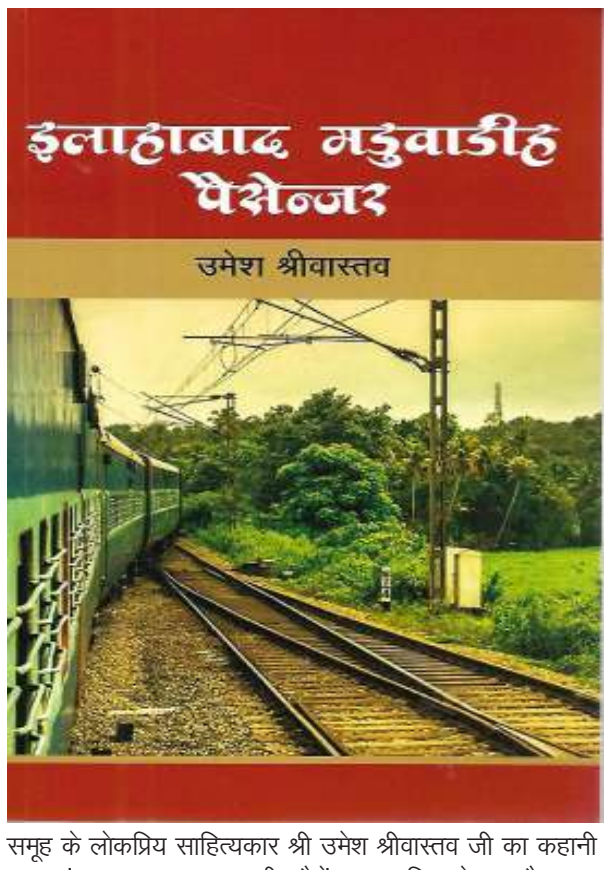

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

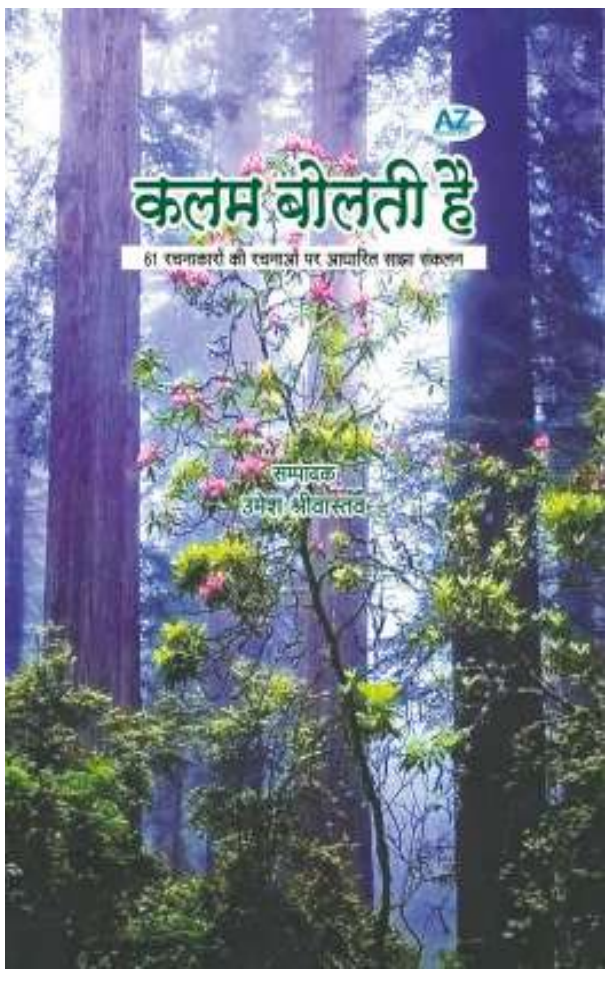

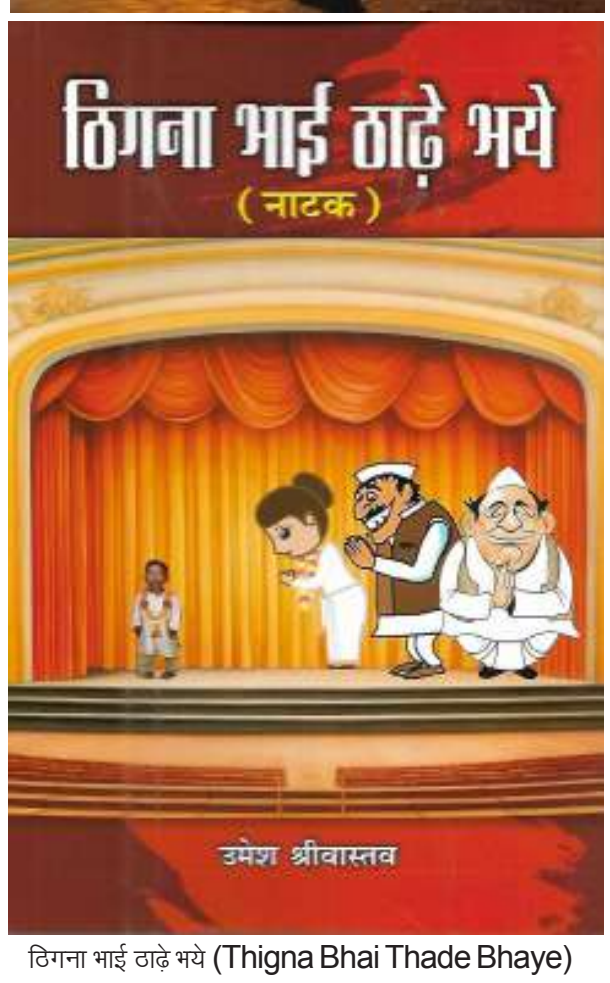

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

मॉस्को की तेल रिफाइनरी पर एक हफ्ते में दूसरा हमला, जेलेंस्की बोले- अब जंग खत्म करने का समय

मास्को,एजेंसी। यूक्रेन ने एक सप्ताह में दूसरी बार मॉस्को की एक तेल रिफाइनरी पर हमला किया। इसके कारण मॉस्को हवाई अड्डों पर वाणिज्यिक उड़ानों को बाधित किया। यह रूस द्वारा चार साल पहले किए गए आक्रमण के बाद से यूक्रेन के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक है। यह जानकारी एक रूसी अधिकारी ने दी। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी हवाई सुरक्षा ने रात भर में कई क्षेत्रों में 555 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया, जिनमें से लगभग 200 को रूसी राजधानी के पास आने से पहले ही रोक दिया गया। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि कई ड्रोन ने शहर के दक्षिण–पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित मॉस्को ऑयल रिफाइनरी पर हमला किया। रूसी परिवहन मंत्रालय ने कहा कि मॉस्को के चार हवाई अड्डों से उड़ानें रोक दी गई हैं। यह हमला यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की के उस बयान के कुछ घंटों

बाद हुआ, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ एक महत्वपूर्ण समन्वय वार्ता की थी, जिससे महत्वपूर्ण बदलाव आ सकता है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा, श्कल रात, हमारे लंबी दूरी के हमलों ने एक बार फिर मॉस्को इलाके को निशाना बनाया। इस हफ्ते दूसरी बार मॉस्को की ऑयल रिफाइनरी पर हमला हुआ। रोस्तोव इलाके और यूक्रेन के अस्थायी रूप से कब्जे वाले इलाकों में भी ठिकानों को निशाना बनाया गया। यह हमारे शहरों और समुदायों पर रूस के हमलों का पूरी तरह से जायज जवाब है। रूस की युद्ध मशीन को चलाने वाले ठिकानों के खिलाफ हमारे सैनिकों की कार्रवाई का एक और अहम नतीजा है। मैं यूक्रेन की रक्षा और सुरक्षा बलों, यूक्रेन की सुरक्षा सेवा, अनमैन्ड सिस्टम फोर्स, स्पेशल ऑपरेशन फोर्स, डिफेंस इंटेलिजेंस और हमारी मिसाइल ब्रिगेड को उनके सटीक हमलों और तालमेल के साथ किए गए प्रयासों के लिए धन्यवाद देता हूं। उन्होंने आगे कहा हाल के दिनों में, हमारे सभी सहयोगियों ने हमारे मध्यम दूरी के हमलों और दीर्घकालिक हमलों की सटीकता और प्रभावशीलता को सराहा है। अब युद्ध समाप्त करने का समय आ गया है। रूस को कूटनीति के माध्यम से आवश्यक कदम उठाने चाहिए। जेलेंस्की ने बुधवार को कहा कि उनके देश को फ्रांस में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले विश्व नेताओं से आगे समर्थन देने के महत्वपूर्ण वादे मिले हैं। पेरिस के पास स्थित वर्साय पैलेस से ट्रंप के साथ निकलते समय मैक्रोन ने पत्रकारों से कहा, पिछले कुछ दिन यूक्रेन के लिए बहुत महत्वपूर्ण थे क्योंकि ये यूक्रेन के इर्द–गिर्द जी7 का पुनर्मिलन है। मैक्रों ने कहा, श्और अब हम यूक्रेन को प्रतिरोध करने में मदद करने और आत्मरक्षा करने तथा जवाबी हमला करने की क्षमता विकसित करने के लिए आगे बढ़ते रहेंगे।श यह हमला ऐसे समय हुआ है जब राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मॉस्को से 700 किलोमीटर (430 मील) पूर्व में स्थित कजान में हैं, जहां वे दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ के नेताओं की मेजबानी कर रहे हैं, क्योंकि रूस व्यापार और अन्य संबंधों को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

संक्षिप्त

अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन आईएसएस पर रहेंगे 240 दिन, नासा बोला- मिशन के लिए 14 जुलाई को भरेंगे उड़ान

वॉशिंगटन,एजेंसी। भारतीय मूल के फिजिशियन और नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन अपने जीवन के पहले अंतरिक्ष मिशन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर लगभग 8 महीने यानी 240 दिन का लंबा समय बिताएंगे। यह मिशन मंगलवार, 14 जुलाई, 2026 को कजाखस्तान के बैकोनूर कोस्मोड्रोम से लॉन्च किया जाएगा। अनिल मेनन और उनका दल वसंत 2027 तक अंतरिक्ष स्टेशन पर रहेगा। इस दौरान वे कई ऐसे वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे जो भविष्य में चंद्रमा और मंगल पर भेजे जाने वाले मानव मिशनों के लिए बेहद मददगार साबित होंगे। इतना ही नहीं, अंतरिक्ष का यह सफर अनिल मेनन अकेले तय नहीं कर रहे हैं, क्योंकि आईएसएस के मिशन हमेशा एक टीम के रूप में होते हैं। वह एक अंतरराष्ट्रीय क्रू के सदस्य के रूप में रूसी अंतरिक्ष यात्रियों प्योत्र डुब्रोव और अन्ना किकिना के साथ अंतरिक्ष के लिए रवाना होंगे। शून्य गुरुत्वाकर्षण में इन्सानी शरीर को ढालने पर होगी खोज मिशन पर 240 दिन बिताने के दौरान दोनों अंतरिक्ष यात्री वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रयोगों का हिस्सा बनेंगे। नासा के अनुसार, मेनन का मुख्य काम यह रिसर्च करना होगा कि अंतरिक्ष के वातावरण और शून्य गुरुत्वाकर्षण में इंसानी शरीर खुद को कैसे ढालता है। बता दें कि मिनेसोटा के मिनियापोलिस में जन्मे अनिल मेनन के माता–पिता भारतीय और यूक्रेनी मूल के अप्रवासी हैं।

पश्चिम एशिया संघर्ष खत्म, ट्रंप और पेजेशकियन की तस्वीरों ने लगाई मुहरय समझौते पर किए हस्ताक्षर

वॉशिंगटन,एजेंसी। पश्चिम एशिया में 111 दिन से जारी तनाव खत्म होने के ठोस संकेत मिले हैं। जी7 देशों के सम्मेलन के लिए फ्रांस दौरे पर गए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्रांसिसी समकक्ष मैक्रों की मौजूदगी में वर्साय में जंग खत्म करने के समझौते पर हस्ताक्षर किए। ईरान की तरफ से राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने हस्ताक्षर किए। हालांकि, पेजेशकियन तेहरान में ही मौजूद रहे और इस प्रक्रिया को डिजिटल तरीके से पूरा किया गया। जिस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं, इसमें 14 बिंदु शामिल हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस कदम का स्वागत करते हुए इसे स्थायी शांति की दिशा में एक बड़ा और जरूरी कदम बताया है। इस समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य को व्यापारिक जहाजों के लिए फिर से खोला जाएगा। इससे दुनिया भर में तेल और ऊर्जा की कीमतों में कमी आने और वैश्विक बाजार को राहत मिलने की पूरी उम्मीद है। इसको लेकर, व्हाइट हाउस ने एक वीडियो भी जारी किया है। इसमें ट्रंप को मैक्रों के साथ बैठकर दस्तावेज पर हस्ताक्षर करते देखा जा सकता है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने इस 14–सूत्रीय समझौते पर हस्ताक्षर किए। पेजेशकियन ने वर्चुअली यानी ऑनलाइन माध्यम से अपने हस्ताक्षर किए। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच दुश्मनी को खत्म करना है। यह समझौता तुरंत प्रभाव से लागू हो गया है। ओमान और कुछ अन्य देशों ने इस बातचीत में मदद की है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने भी इस समझौते के पूरा होने की पुष्टि की है।

ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में दखल न दें, यह हमारा अंदरूनी मामला है, लूला की ट्रंप को दो टूक

रियो डी जनेरियो,एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा ने बुधवार को अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी दी। उन्होंने कि ट्रंप ब्राजील के अक्तूबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में दखल न दें। उन्होंने यह चेतावनी तब दी, जब ट्रंप ने उनके राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ न्यायिक कार्रवाई को लेकर ब्राजील की फिर से आलोचना की। यह बयान दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को दिखाता है। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में दक्षिण अमेरिकी देश पर और टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया है और दो ड्रग–तस्करी वाले संगठनों को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया है, जिसका लूला विरोध करते हैं। लूला ने कई बार ब्राजील की संप्रभुता का बचाव किया है, खासकर तबसे जब ट्रंप ने पिछले साल ब्राजील पर टैरिफ लगाए थे और अपने सहयोगी पूर्व राष्ट्रपति जेर बोल्सोनारो के खिलाफ श्राजनीतिक बदले की कार्रवाईश का आरोप लगाया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

एनएसए डोभाल के न्यौते पर भारत आ रहे चीनी विदेश मंत्री: दो दिन का होगा दौरा, ब्रिक्स की बैठक में होंगे शामिल

बीजिंग,एजेंसी। चीनी विदेश मंत्री वांग यी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के निमंत्रण पर दो दिनों के भारत के दौरे पर आ रहे हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। वांग यी 22 से 23 जून तक भारत में रहेंगे और ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों एवं राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े उच्च प्रतिनिधियों की 16वीं बैठक में हिस्सा लेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, श्भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के निमंत्रण पर चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य और केंद्रीय विदेश मामलों आयोग कार्यालय के निदेशक वांग यी 22–23 जून को भारत में आयोजित ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों और उच्च प्रतिनिधियों की 16वीं बैठक में भाग लेंगे। बता दें कि वांग यी ने पिछले वर्ष भी नई दिल्ली का दौरा किया था। अगस्त में आयोजित विशेष प्रतिनिधियों की 24वीं बैठक के दौरान उन्होंने है। अजित डोभाल के साथ बातचीत की थी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, उस समय दोनों पक्षों ने माना था कि 23वीं विशेष प्रतिनिधि वार्ता के बाद से भारत–चीन सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनी हुई है। दोनों देशों ने इस बात पर जोर दिया था कि द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण है। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब नई दिल्ली और बीजिंग के बीच संबंधों में सुधार देखने को मिल रहा है। पिछले वर्ष तियानजिन में आयोजित SCO शिखर सम्मेलन सहित कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकातों के बाद दोनों देशों के रिश्तों में सकारात्मक गति आई है। दोनों नेताओं ने अक्टूबर 2024 में कजान में हुई अपनी पिछली मुलाकात के बाद द्विपक्षीय संबंधों में हुए सकारात्मक विकास का स्वागत किया था। उन्होंने दोहराया कि भारत और चीन प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि विकास साझेदार हैं और दोनों देशों के मतभेद विवाद का रूप नहीं लेने चाहिए। नेताओं की बैठक के बाद विदेश मंत्रालय ने कहा था, आपसी सम्मान, साझा हितों और पारस्परिक संवेदनशीलता के आधार पर भारत और चीन तथा उनके 2.8 अरब लोगों के बीच स्थिर संबंध और सहयोग दोनों देशों के विकास के लिए आवश्यक हैं। साथ ही यह 21वीं सदी की प्रवृत्तियों के अनुरूप बहुध्रुवीय विश्व और बहुध्रुवीय एशिया के निर्माण के लिए भी महत्वपूर्ण है।

अमेरिका–ईरान समझौते पर उपराष्ट्रपति वेंस बोले–बातों से नहीं, कामों से होगा मूल्यांकन

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान के साथ हुए नए समझौते को लेकर अपनी स्थिति साफ कर दी है। वेंस ने सीबीएन न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि इस समझौते की सबसे अच्छी बात यह है कि यह केवल शब्दों तक सीमित नहीं है। उन्होंने साफ किया कि अब ईरान का मूल्यांकन उसकी बातों से नहीं, बल्कि उसके व्यवहार और काम के आधार पर होगा। वेंस ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप और पूरा प्रशासन ईरान में निर्दोष प्रदर्शनकारियों की हत्या से बहुत परेशान था। उन्होंने कहा कि कुछ महीने पहले जो लोग सत्ता में थे, उन्होंने प्रदर्शनकारियों के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया था। वेंस के अनुसार, वे पुराने नेता अब सत्ता से जा चुके हैं। अब अमेरिका यह देखना चाहता है कि क्या ईरान का नया नेतृत्व अपने लोगों के साथ अलग तरह से व्यवहार करता है। उपराष्ट्रपति ने उम्मीद जताई कि नया नेतृत्व सुधार करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं होता है, तो अमेरिका उनके वास्तविक आचरण को देखकर आगे का फैसला करेगा। वेंस ने दोहराया कि यह समझौता केवल कागजी बातों के लिए नहीं है।

ईरान से डील के लिए अमेरिका में ही क्यों घिरे ट्रंप, विपक्ष से लेकर मेगा समर्थक तक किस बात पर खफा ?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में जब ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए समझौते का एलान किया तो पूरी दुनिया की नजर इस बात पर लगी थीं कि आखिर इस समझौते की जो शर्तें तय हुई हैं, उनमें किसको फायदा हो सकता है। शुरुआत में इस समझौते की शर्तों का जो ड्राफ्ट तैयार हुआ, उसे सार्वजनिक नहीं किया गया और कुछ रिपोर्ट्स के हवाले से ही डील को लेकर दावे किए जा रहे थे। हालांकि, जैसे–जैसे इस समझौते की शर्तें साफ हुई हैं, वैसे–वैसे इसे लेकर अमेरिका में ही ट्रंप के विरोध में स्वर उठने लगे। सिर्फ डेमोक्रेटिक पार्टी ही नहीं, बल्कि ट्रंप की अपनी रिपब्लिकन पार्टी में भी ईरान समझौते को लेकर आलोचना झेलनी पड़ी है। दरअसल, अमेरिका और ईरान के बीच समझौते की जो शर्तें तय हुई हैं, उनमें से अधिकतर शर्तें ऐसी हैं, जिन्हें अमेरिकी नेताओं ने ईरान को ट्रंप की तरफ से दिया गया तोहफा करार दिया है। फिर चाहे ईरान को पुनर्निर्माण के लिए एक बड़ी राशि मुहैया कराने की शर्त हो या होर्मुज जलडमरूमध्य में लगने वाले नए सेवा शुल्क की बात हो या ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर समझौते में कोई भी स्पष्टता न होने की बात। इन सभी मुद्दों पर ट्रंप अमेरिका में ही घिरे हैं। इसके बावजूद अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार को ट्रंप की तरफ से ईरान के साथ तय 14 बिंदु वाले इस अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर ट्रंप ने ईरान के साथ जो समझौता किया है, उसे लेकर अमेरिका में किस तरह विरोध भड़का है? खुद ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी और उनके समर्थन मेक अमेरिका ग्रेट अगेन वोटर बेस कैसे इस डील को लेकर बंटे हुए नजर आ रहे हैं? समझौते की किन शर्तों को लेकर विवाद की स्थिति बन रही है? इसके अलावा उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की इस डील में भूमिका और इसके जोखिम को लेकर क्या सामने आया है?

समझौते की सबसे विवादास्पद शर्तों में से एक ईरान के लिए 300 बिलियन डॉलर के संभावित पुनर्निर्माण फंड का प्रावधान है। आलोचक ईरान की ओर जाने वाले किसी भी आर्थिक लाभ से बेहद खफा हैं। इसके अलावा ईरान को तुरंत अपना तेल बेचने की अनुमति और भविष्य की परमाणु वार्ता के दौरान ईरान के फ्रीज किए गए फंडको जारी करने और प्रतिबंधों में ढील देने के रास्ते पर विवाद की स्थिति बन चुकी है।

समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से नौसैनिक नाकेबंदी हटाने और परमाणु वार्ता के लिए 60 दिनों के युद्धविराम की बात कही गई है। इसे लेकर अमेरिका में यह बहस छिड़ गई है कि ईरान पर हमले से पहले जो स्थिति थी, युद्ध के बाद फिर वही स्थिति हो गई है। इस बात पर भी संशय है कि क्या ईरान भविष्य में भी इस जलमार्ग का उपयोग करने वाले जहाजों से टोल या कोई सर्विस फीस वसूलना जारी रखेगा। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से यह बात सामने आई है कि समझौते की भाषा बेहद अस्पष्ट है। आलोचकों का आरोप है कि इस समझौते में ईरान द्वारा अपने परमाणु हथियारों के विकास को छोड़ने को लेकर कोई दृढ़ प्रतिबद्धता, तय मानदंड या पुख्ता क्रम मौजूद नहीं है। इस्राइल समर्थक रिपब्लिकन नेताओं को इस बात की गहरी चिंता है कि यह समझौता पूरे क्षेत्र में लड़ाई तो रोक सकता है, लेकिन यह ईरान समर्थित हिज्बुल्ला (लेबनान), हमास (गाजा) और हूतियों (यमन) के मिसाइल कार्यक्रमों और खतरों को खत्म करने पर केंद्रित नहीं है। इजराइल का मानना है कि इन प्रॉक्सी गुटों से निपटे बिना युद्धविराम उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। ट्रंप के इस ईरान समझौते को लेकर उनके राजनीतिक विरोधियों– डेमोक्रेट्स और उनकी ही पार्टी के आलोचकों ने कड़ी आपत्तियां जताई हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी का मुख्य फोकस प्रशासन की पारदर्शिता की कमी, कांग्रेस को दरकिनार करने की कोशिश और इस युद्ध से हासिल हुए वास्तविक परिणामों पर है।

डेमोक्रेटिक नेताओं का सबसे बड़ा आरोप यह है कि ट्रंप प्रशासन इस समझौते के विवरण को गुप्त रख रहा है। अमेरिकी संसद के उच्च सदन– सीनेट के नेता चक शुमर ने कहा कि राष्ट्रपति को समझौते पर पहुंचे दो दिन हो चुके हैं और उन्होंने अभी तक कोई विवरण जारी नहीं किया गया। अमेरिकी जनता पूरी पारदर्शिता और विवरण जानने की हकदार है। उन्होंने प्रशासन से अमेरिकी संसद (कांग्रेस) के आठ नेताओं के गुट (गैंग ऑफ एठ) के साथ–साथ पूरी संसद के लिए एक खुफिया ब्रीफिंग आयोजित करने की भी मांग की है।

डेमोक्रेट्स इस बात पर एकजुट हैं कि ईरान के साथ होने वाले किसी भी अंतिम समझौते पर अमेरिकी संसद में बहस और मतदान होना चाहिए। डेमोक्रेट्स के इस तर्क का कई रिपब्लिकन नेताओं ने भी समर्थन किया है। सीनेटर ब्रायन शेट्ज ने कहा कि संघीय कानून के तहत सीनेट को इस पर विचार करने का स्पष्ट अधिकार है, लेकिन उन्हें लगता है कि ट्रंप प्रशासन इसे दरकिनार करने की पूरी कोशिश करेगा क्योंकि वे नहीं चाहते कि यह मुद्दा सीनेट के सामने चर्चा के लिए आए।

डेमोक्रेट्स को शक है कि व्हाइट हाउस कानूनी प्रक्रियाओं से बचने की कोशिश करेगा। सीनेटर डिक डर्बिन ने चेतावनी दी कि प्रशासन यह बहाना बनाकर कानून से बचने की कोशिश करेगा कि कुछ चीजें गोपनीय हैं जिन्हें उजागर नहीं किया जा सकता।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।